देहरादून,पौड़ी-गढ़वाल व अल्मोड़ा से प्रकाशित

www.page3news.in

नगर संस्करण वर्ष 19 अंक: 194 पृष्ठ : 8 मूल्य: एक रूपए

विचार-प्रवाह...
बुनियादी ढांचे का हिस्सा

देहरादून, शुक्रवार, 8 नवंबर 2024

पेज थ्री

मौसम अधिकतम 26.0° न्यूनतम 18.0°

79924.77 2 भारत के खिलाफ खतरनाक खेल रहे ट्रूडो 7 केएल राहुल फिर बल्ले से हुए फ्लॉप

उत्तराखंड के विकास में योगदान दें प्रवासी: सीएम

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने दून विश्वविद्यालय में "प्रवासी उत्तराखंडी सम्मेलन" में सभी प्रवासी उत्तराखंड़ियों का स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने सबसे पहले अल्मोड़ा जनपद में बस हादसे में अपनी जान गंवाने वाले लोगों को श्रद्धांजलि दी और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड की माटी से जुड़े हुए प्रवासियों ने शिक्षा, अनुसंधान, ब्यूरोक्रेसी, फिल्म निर्माण, उद्योग, व्यापार सहित विभिन्न क्षेत्रों में राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। देश के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान उत्तराखंड से हैं। भारत के प्रथम चीफ ऑफ डिफेंस विपिन रावत भी इसी भूमि से थे। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड की संस्कृति अपने आप में विशिष्ट है। हमारे प्रवासी देश के विभिन्न राज्यों में अपनी भाषा और संस्कृति को बढ़ावा दे रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रवासी उत्तराखंड़ियों को प्रदेश की विभिन्न जानकारियां उपलब्ध कराने और उनकी समस्याओं को दूर करने के उद्देश्य से एक डेडीकेटेड वेबसाइट भी तैयार की जा रही है। मुख्यमंत्री ने सभी प्रवासियों से अपील की कि कम से कम वर्ष में एक बार अपने गांव और पैतृक घर पर जरूर आएं और अपनी-अपनी विशेषज्ञता के हिसाब से अपने क्षेत्र के विकास में योगदान दें। आपके सुझावों एवं कार्यों के आधार पर विशिष्ट नीतियां बनाकर उन पर कार्य किया जायेगा। उन्होंने आशा व्यक्त की कि आज होने वाले मंथन से जो अमृत निकलेगा, वह अवश्य ही उत्तराखंड को देश का श्रेष्ठ राज्य बनाने में सहायक सिद्ध होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संकल्प को पूर्ण करने में उत्तराखंड भी अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश हित में कई कठोर एवं ऐतिहासिक निर्णय लिये गये हैं।

मुख्यमंत्री ने की घोषणा: राज्य में प्रवासी उत्तराखंड परिषद का गठन किया जायेगा

सभी को उत्तराखंड की मिट्टी से पुनः जोड़ने का एक प्रयास: सीएम

मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले तीन सालों में उन्हें देश के अनेक राज्यों में पर्वतीय समाज के लोगों से मिलने का अवसर मिला और उन्होंने महसूस किया कि हमारे प्रवासियों के भीतर बसा उत्तराखंड सदैव उनके साथ रहता है। उन्होंने उत्तराखंड की भाषा, संस्कृति और संस्कारों को कभी नहीं छोड़ा। यह प्रवासी उत्तराखंडी सम्मेलन सभी को उत्तराखंड की मिट्टी से पुनः जोड़ने का एक प्रयास है। यह ऐसा समागम है जहां सभी प्रवासी भाई बहन न सिर्फ राज्य के अधिकारियों के साथ संवाद कर सकेंगे बल्कि उन्हें विभिन्न राज्यों में निवासरत अन्य उत्तराखंडी प्रवासियों से भी मिलने का सुअवसर प्राप्त हो रहा है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि यहां से निकलने वाला संदेश लाखों उत्तराखंडी प्रवासियों तक पहुँचेगा।

उत्तराखंड हर क्षेत्र में तेजी से प्रगति कर रहा है: निशंक

पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक ने कहा कि यह गौरवशाली क्षण है, आज प्रवासी उत्तराखंड़ियों ने अपने संघर्ष और परिश्रम के बल पर देश के कोने-कोने में अलग पहचान बनाई है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड हर क्षेत्र में तेजी से प्रगति कर रहा है। मेयर लखनऊ सुषमा खरकवाल ने कहा कि यह उनका सौभाग्य है कि उन्हें प्रवासी सम्मेलन में आने का मौका मिला। अभिनेत्री हिमानी शिवपुरी ने कहा कि राज्य में क्षेत्रीय फिल्मों को बढ़ावा मिलना चाहिए। प्रवासी उत्तराखंडी और भारत सरकार में सचिव वाणिज्य सुनील बर्थवाल ने कहा कि प्रवासियों को अपने गांव को गोद लेने वाला विचार बहुत सराहनीय है।

संक्षिप्त समाचार

सैटेलाइट ब्रॉडबैंड स्पेक्ट्रम मुफ्त में नहीं दिया जाएगा: सिंधिया

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। सैटेलाइट ब्रॉडबैंड के लिए स्पेक्ट्रम का आवंटन किया जाएगा, न कि नीलामी की जाएगी। केंद्रीय दूरसंचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने गुरुवार को यह साफ कर दिया। केंद्रीय मंत्री का रुख भारतीय अरबपति मुकेश अंबानी और सुनील मित्तल की मांग के विपरीत है। सरकार के इस रुख से एलन मस्क की कंपनी स्टारलिंक को फायदा मिल सकता है। आवंटन के बावजूद, सैटेलाइट ब्रॉडबैंड स्पेक्ट्रम मुफ्त में नहीं दिया जाएगा और दूरसंचार नियामक ट्राई इसके लिए कीमत तय करेगा।

मैं व्यापार नहीं, बल्कि एकाधिकार विरोधी हूं: राहुल

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को कहा कि वह व्यापार विरोधी नहीं हैं, जैसा कि भाजपा कह रही है, बल्कि वह एकाधिकार और अल्पाधिकार बनाने के विरोधी हैं। राहुल गांधी की ये टिप्पणी एक समाचार पत्र में एक लेख लिखने के एक दिन बाद आई है।

डराया, धमकाया और परेशान किया, कनाडा को भारत ने सुनाई खरी-खरी

दूतावास का कार्यक्रम रद्द होने पर भारत का रिएक्शन

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

राजनयिकों पर रखी जा रही निगरानी: एमईए

विदेश मंत्रालय ने कहा, हां, धमकियां बढ़ी हैं। भारतीय राजनयिकों पर निगरानी रखी जा रही है, जो पूरी तरह से अस्वीकार्य है। विदेश मंत्री ने भी इस बारे में बात की है। हमने इस मामले को कनाडा की ओर से भी बहुत मजबूती से उठाया है। रणधीर ने बताया कि वाणिज्य दूतावास की ओर से यह शिविर कनाडा में रह रहे भारतीय प्रवासी समुदाय की सहायता के लिए आयोजित किए जाते हैं।

नई दिल्ली। कनाडा में भारतीय दूतावास का शिविर कार्यक्रम रद्द होने पर प्रतिक्रिया देते हुए विदेश मंत्रालय ने कहा कि वहां की सरकार की ओर से पर्याप्त सुरक्षा आश्वासन न मिलने के कारण यह फैसला किया गया है। मंत्रालय ने कहा कि पिछले एक साल या उससे अधिक समय में भारतीय राजनयिकों को कनाडा में डराया, धमकाया गया और उन्हें परेशान किया गया।

मंत्रालय ने कहा कि यह सब हरकतें अस्वीकार्य हैं और हमने मजबूती से कनाडा के सामने यह मुद्दा उठाया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, हमने अपने राजनयिकों के लिए सुरक्षा मुहैया कराने की मांग की थी, जहां वाणिज्य दूतावास शिविर आयोजित किया जाना था, लेकिन कनाडा की ओर से सुरक्षा मुहैया नहीं कराई गई। पिछले एक साल या उससे भी ज्यादा समय से हमने भारतीय राजनयिकों पर हमले, उन्हें डराना, धमकाना, परेशान करना जैसी चीजें देखी हैं। उन्होंने कहा, कनाडा में हमारे पास एक बड़ा प्रवासी समुदाय है। इनमें से कई लोगों को, विशेष रूप से नवंबर, दिसंबर के महीने में, भारत में अपनी पेंशन और कई अन्य गतिविधियों को जारी रखने के लिए कई दस्तावेजों की आवश्यकता होती है। इसलिए यह वाणिज्य दूतावास शिविर जो हम आयोजित करते हैं, वह समुदाय के लिए उपयोगी है, भारतीय राष्ट्रीयता के लोगों और भारतीय मूल के लोगों, दोनों के लिए, जो आज कनाडाई नागरिक हैं। मैं समझता हूं कि कनाडा के अन्य हिस्सों में, उदाहरण के लिए वैंकूवर में, वाणिज्य दूतावास शिविर आयोजित किए जाएंगे।

भारत का दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार है अमेरिका

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

दो टूक

■एस जयशंकर के बयान से पाकिस्तान की बढ़ेंगी टेंशन

बढ़ गई पाक-चीन की टेंशन

ट्रंप के आने से पाकिस्तान और चीन की चिंता बढ़ चुकी है। दरअसल, ट्रंप ने पिछले शासन के दौरान पाकिस्तान को मिलने वाली आर्थिक सहायता भी रोक दी थी। इसके अलावा ट्रंप ने चीन के साथ ट्रेड वार की बात की थी। अब एक बार फिर ट्रंप के आने से भारत के पड़ोसी देशों चीन, पाकिस्तान की टेंशन काफी बढ़ चुकी है।

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव के नतीजे पर विदेश मंत्री एस जयशंकर ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि मेरे विचार से भारत और अमेरिका के संबंध के 4-5 पहलू हैं। व्यापारिक तौर पर भी दोनों देशों के रिश्ते काफी महत्वपूर्ण है। मुझे उम्मीद है कि ट्रंप की जीत के बाद दोनों देशों के रिश्ते और बेहतर होंगे। ट्रंप शासन में भारत के लिए नए अवसर खुलेंगे। उन्होंने आगे कहा कि डिजिटल क्षेत्र में दोनों देशों के बीच जो व्यापार और टेकनोलॉजी सेवाओं का आदान-प्रदान में कोई रुकावट नहीं आएगी। वहीं, अप्रवासन जैसे मुद्दे पर भी भारत को चिंता करने की जरूरत नहीं है।

बता दें कि ट्रंप ने चुनावी रैली के दौरान इस बात पर जोर दिया था कि अगर उनकी सरकार बनी तो देश में गैर-कानून रूप से दाखिल प्रवासियों पर रोक लगाई जाएगी।

वहीं, भारत-अमेरिका संबंधों और एच-1बी वीजा पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जयसवाल ने कहा, भारत और अमेरिका के बीच आर्थिक संबंध काफी व्यापक हैं। पिछले साल 2023 में भारत और अमेरिका के बीच करीब 190 अरब डॉलर का व्यापार हुआ, जिसमें सामान और सेवाएं भई शामिल है। अमेरिका भारत का दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार है।

नहीं है भरोसा तो ला सकते हैं अविश्वास प्रस्ताव

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

■ जम्मू-कश्मीर विधानसभा में हंगामे पर बोले स्पीकर अब्दुल रहीम राथर

श्रीनगर। जम्मू और कश्मीर विधानसभा अध्यक्ष अब्दुल रहीम राथर ने गुरुवार को सदन द्वारा पारित विशेष दर्जे के प्रस्ताव को वापस लेने या पद छोड़ने की भाजपा की मांग को खारिज कर दिया और कहा कि अगर पार्टी को उन पर भरोसा नहीं है तो उसे अविश्वास प्रस्ताव लाना चाहिए। उन्होंने पार्टी को नारेबाजी को लेकर फटकार लगाई और कहा कि वह सदस्यों को सदन के वेल में घुसने और विधानसभा सचिव की कुर्सी पर रखे राष्ट्रीय प्रतीक को कुचलने को बर्दाश्त नहीं कर सकते।

राथर ने कहा कि वे (भाजपा) अध्यक्ष से प्रस्ताव वापस लेने के लिए कह रहे हैं। अध्यक्ष के पास अधिकार नहीं हैं। सदन द्वारा पारित किसी भी चीज को सदन द्वारा ही रद्द किया जा सकता है। अध्यक्ष ऐसा नहीं कर सकते। इन मुद्दों पर अध्यक्ष के पास सीमित अधिकार हैं। उन्हें अपने सामने मौजूद तथ्यों के आधार पर अध्यक्षता करनी है, गणना करनी है और निर्णय देना है। प्रस्ताव पारित होने के बाद सदन में हंगामा हुआ और भाजपा सदस्यों ने जबरदस्त नारेबाजी की।

न्यूज डायरी

तालिबानी मुल्ला उमर के बेटे से पहली मिले भारत के दूत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) काबुल। अफगानिस्तान और भारत के बीच रिश्तों में गर्माहट लगातार बढ़ती जा रही है। एक बड़े घटनाक्रम में भारत के विदेश मंत्रालय में संयुक्त सचिव जेपी सिंह अचानक से काबुल के दौरे पर पहुंच गए। भारतीय राजनयिक ने तालिबान के रक्षा मंत्री मुल्ला याकूब मुजाहिद से मुलाकात की। मुल्ला याकूब तालिबान के सुप्रीम लीड रहे आतंकी मुल्ला उमर का बेटा है। मुल्ला उमर ने साल 1996 से 2001 तक अफगानिस्तान पर राज किया था। भारतीय प्रतिनिधि ने तालिबान के कार्यकारी विदेश मंत्री अमीर खान मुत्ताकी और पूर्व राष्ट्रपति हामिद करजई से भी मुलाकात की। यह भारतीय राजनयिक का यह इस साल दूसरा काबुल दौरा है। साल 2021 में तालिबान ने अफगानिस्तान पर कब्जा कर लिया था और उसके बाद से अब भारत ने भी तालिबानी सरकार के साथ दोस्ती बढ़ा दी है। तालिबान रक्षा मंत्रालय ने अपने बयान में कहा, इस बैठक में दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय रिश्तों को बढ़ाने की इच्छा जताई। इसमें भी खासकर मानवीय सहयोग और अन्य मुद्दे शामिल हैं। साथ ही अफगानिस्तान और भारत के बीच संवाद को बढ़ाने में भी रुचि प्रदर्शित की। हामिद करजई ने भी ट्वीट करके कहा कि उनकी जेपी सिंह से मुलाकात हुई है। इसमें दोनों देशों के बीच ऐतिहासिक संबंधों पर चर्चा की और द्विपक्षीय रिश्तों को मजबूत करने पर जोर दिया। करजई ने भारत के सहयोग की तारीफ की और मांग की कि शिक्षा और युवाओं को ट्रेनिंग देने पर और ज्यादा फोकस किया जाना चाहिए।

यासीन मलिक की पत्नी ने राहुल गांधी को लिखा पत्र

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) लाहौर। जम्मू कश्मीर लिबरेशन फ्रंट (जेकेएलएफ) का प्रमुख यासीन मलिक की पत्नी मुशाल हुसैन मलिक ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को एक पत्र लिखकर जेल में बंद अपने पति का मुद्दा संसद में उठाने की अपील की है। मुशाल हुसैन ने पत्र में दावा किया है कि उसका पति जम्मू कश्मीर में शांति कायम करने में अहम भूमिका निभा सकता है। मानवाधिकार और महिला सशक्तिकरण के मुद्दे पर पाकिस्तान के प्रधानमंत्री की पूर्व सहायक मुशाल ने राहुल गांधी को लिखे पत्र में ₹30 साल पुराने राजद्रोह मामले में मलिक के खिलाफ जारी मुकदमे की ओर उनका ध्यान आकर्षित किया है, जिसमें एनआईए ने उसे मौत की सजा देने का अनुरोध किया है। कश्मीरी अलगाववादी नेता यासीन मलिक के खिलाफ आतंकवादी वित्त पोषण से जुड़े इस मामले में दिल्ली हाई कोर्ट में एनआईए की ओर से याचिका दायर की गई है। एनआईए ने इस मामले में एक अपील दायर करके यासीन मलिक को फांसी की सजा देने का अनुरोध अदालत से किया है। एनआईए ने साल 2017 के आतंकी फंडिंग मामले में यासीन मलिक सहित कई आरोपियों के खिलाफ आरोप दायर किए थे।

अमेरिका से हर साल 10 लाख लोगों को निकाल पाएंगे ट्रंप?

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। अमेरिकी चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप एक बार फिर राष्ट्रपति चुने गए हैं। उन्होंने चुनाव में अवैध रूप से देश में आने वाले अप्रवासियों का मुद्दा उठाया। पिछले ट्रंप प्रशासन के छह पूर्व अधिकारियों ने न्यूज एजेंसी रॉयटर्स को बताया कि ट्रंप रिकॉर्ड संख्या में अप्रवासियों को निकालने में मदद करने के लिए अमेरिकी सरकार की एजेंसियों को इस्तेमाल करेंगे। पहले कार्यकाल में जो कदम उठाए गए थे यह उसी तरह होगा। लेकिन इस बार यह ज्यादा आक्रामक होगा। ट्रंप समर्थक मानते हैं कि अमेरिकी सेना से लेकर विदेशों में राजनयिकों तक के जरिए वह बड़े पैमाने पर डिपोर्ट के अपने वादे को पूरा करने में जुटेंगे। हालांकि डिपोर्ट का मुद्दा ट्रंप को विवादों में रखे है। क्योंकि आप्रवासी अधिवक्ता और कानूनी एक्सपर्ट्स संभावित मानवीय और कानूनी मुद्दों की चेतावनी देते हैं। ट्रंप के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने अनुमान के मुताबिक कहा कि हर साल 10 लाख लोगों को हटाया जा सकता है। इमीग्रेंट एडवोकेट्स की चेतावनी है कि ट्रंप का निर्वासन प्रयास महंगा, विभाजनकारी और अमानवीय होगा, जिससे परिवार अलग हो जाएंगे और समुदाय तबाह होगा। वकालत समूह, अमेरिकी इमीग्रेशन काउंसिल का अनुमान है कि वर्तमान में 1.3 करोड़ अप्रवासी अमेरिका में रह रहे हैं।

अमेरिका में कोई महिला आजतक क्यों नहीं बन पाई राष्ट्रपति?

ट्रंप एक ताकतवर व्यक्ति हैं: अमेरिका की जनता

रिपोर्ट

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

वाशिंगटन। अमेरिका की जनता ने एक बार फिर डोनाल्ड ट्रंप (क्वदंसक ज्तनउच) को अपना नेता बना लिया है। अपने बेबाक अंदाज की वजह से दुनिया में मशहूर ट्रंप ने कमला हैरिस को मात दे दिया। अगर कमला हैरिस चुनाव जीत जाती, तो अमेरिका को पहला महिला राष्ट्रपति मिल जाता। कमला की हार के बाद यह सवाल खड़ा हो गया है कि क्या अमेरिका की राजनीति में लैंगिक समानता या असमानता कितनी मायने रखती है? क्या कमला हैरिस को चुनाव में इसलिए भी हार का सामना करना पड़ा क्योंकि अमेरिका की जनता किसी महिला को राष्ट्रपति नहीं देखना चाहते?

चुनाव अभियान के दौरान जब कुछ लोगों से कमला हैरिस और डोनाल्ड ट्रंप के बीच अंतर को लेकर सवाल पूछे गए तो लोगों ने उम्मीदवारों के बीच लैंगिक असमानता का भी जिक्र किया रेबेका नाम श्वेत महिला ने कहा था, मैं मानती हूं कि महिला और पुरुष में कोई अंतर नहीं है।

हालांकि, जब बात विदेश नीति की आती है तो यहां ताकत का प्रदर्शन करना पड़ता है। आपको इस मामले में पुरुष की जरूरत होती है। तीसरा विश्व युद्ध करीब आ रहा है, मेरा मानना है कि हम खतरनाक दौर से गुजर रहे हैं। ऐसे में अमेरिका को ट्रंप जैसे व्यक्ति की जरूरत है।

वहीं, 20 वर्षीय एक अश्वेत युवा लड़का से पूछा गया कि दोनों उम्मीदवारों में वो किसे ज्यादा पंसद करते हैं तो उन्होंने भी ट्रंप का नाम लिया। उन्होंने कहा कि एक महिला अमेरिका की नेतृत्व नहीं कर सकती। यह मर्दों का काम है। महिला काफी भावुक होती हैं। हमें युद्ध लड़ना होगा या बात विदेश नीति की आती है तो हमें एक पुरुष नेता की जरूरत होगी। वहीं, 50 वर्षीय एक बुजुर्ग व्यक्ति ने कहा कि लड़ाई ताकतवर और कमजोर की है। कमला हैरिस कमजोर हैं। यह उनकी गलती नहीं है। वह एक महिला हैं। ट्रंप मजबूत हैं। ट्रंप के खिलाफ कितने लोगों ने आरोप लगाए, लेकिन ट्रंप ने हर आरोपों का सामना किया, क्योंकि ट्रंप एक पुरुष थे।

बता दें कि अमेरिका चुनाव अभियान के दौरान अबॉर्शन यानी गर्भपात एक बड़ा मुद्दा था। अमेरिका में कई लोग अबॉर्शन की मांग कर रहे हैं। कई लोग गर्भपात को महिला अधिकार से जोड़ कर देख रहे हैं। कमला हैरिस ने दावा किया था कि उनकी सरकार आएगी तो गर्भपात को कानूनी तौर पर देशभर में मंजूरी दी जाएगी, लेकिन ट्रंप के आने से गर्भपात की मांग करने वालों की चिंता अब बढ़ गई है। साल 2022 के जून महीने में सुप्रीम कोर्ट ने गर्भपात को मंजूरी देने वाले लगभग पांच दशक पुराने फैसले को पलट दिया था। गर्भपात को नैतिक और धार्मिक रूप से कोर्ट ने गलत करार दिया था। कोर्ट ने एंटी–अबॉर्शन लॉ को अपने अनुसार और कड़ा करने की बात भी कही थी।

दुनिया की सबसे पुरानी लोकतंत्र और खुद को दुनिया को सुपर पावर कहने वाले अमेरिका में आज भी महिला असमानता एक बड़ा मुद्दा बना हुआ है।

रूस ने युद्ध में उतारे उत्तर कोरिया के सैनिक

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज कीव। रूस और यूक्रेन के बीच संघर्ष चल रहा है। यूक्रेन के शीर्ष अधिकारियों ने इस बीच खुलासा किया है कि वह उत्तर कोरिया के सैनिकों से पहली बार भिड़े हैं। दक्षिण कोरियाई ब्रॉडकास्टर के साथ एक इंटरव्यू में यूक्रेनी रक्षा मंत्री रुस्तम उमेरोव ने कहा कि उत्तर कोरियाई सैनिकों के एक छोटे ग्रुप पर हमला किया गया था। अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से बताया कि उत्तर कोरियाई सैनिक 4 नवंबर को रूस के कुर्क्स क्षेत्र में युद्ध में लगे हुए थे।

यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेंस्की ने पहले उत्तर कोरियाई सैनिकों के प्रति पश्चिमी देशों की कम प्रतिक्रिया की निंदा की थी। उन्होंने कहा था, उत्तर कोरिया के साथ पहली लड़ाई दुनिया में अस्थिरता का नया अध्याय खोलती है। हालांकि दक्षिण कोरिया ने कहा कि वह यह नहीं मानता की दोनों देशों की सेनाएं, आमने–सामने युद्ध में शामिल थी। लेकिन एक घटना हुई थी, जहां फ्रंटलाइन के पास उत्तर कोरियाई सैनिकों की एक छोटी संख्या शामिल थी।

यूक्रेन का दावा है कि अनुमानित 11,000 उत्तर कोरियाई सैनिक कुर्स्क सीमा क्षेत्र में थे, जहां यूक्रेनी सैनिकों ने रूस की जमीन पर कब्जा जमाया हुआ है। रूस और उत्तर कोरिया ने इन आरोपों पर कोई भी सफाई नहीं दी।

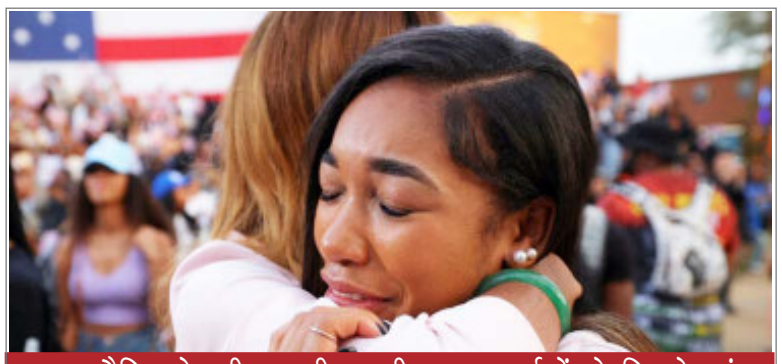

कमला हैरिस ने स्वीकार की अपनी हार, समर्थकों के निकले आंसू

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में डेमोक्रेट प्रत्याशी एवं उपराष्ट्रपति कमला हैरिस को डोनाल्ड ट्रंप के हाथों हार का सामना करना पड़ा। उन्होंने अपनी हार को स्वीकार किया। मगर अपने आदर्शों पर लड़ाई जारी रखने की बात कही। कमला हैरिस ने वाशिंगटन में हॉवर्ड यूनिवर्सिटी में अपने समर्थकों को संबोधित किया। हैरिस ने कहा कि मैं इस चुनाव में मिली हार को स्वीकार करती हूं। मगर महिलाओं के अधिकारों और बंदूक हिंसा के खिलाफ लड़ाई जारी रखेंगे। हैरिस ने आगे कहा कि वे लोगों के सम्मान की खातिर लड़ती रहेंगी। इस दौरान कमला हैरिस की आवाज लड़खड़ाती रही। कई समर्थक भी रोने लगे। 15 मिनट से भी कम समय में उन्होंने अपना भाषण समाप्त कर दिया। कमला हैरिस जब समर्थकों को संबोधित करने मंच पर पहुंची तो उनका प्रचार गीत बेयोंसे का फ्रीडम बजाया गया।

भारत के खिलाफ खतरनाक खेल रहे पीएम जस्टिन ट्रूडो

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

ओट्टावा। कनाडा में खालिस्तान समर्थकों को खुली छूट के बाद वहां मौजूद भारतीय राजनयिक मिशन की सुरक्षा को खतरा पैदा हो गया है। इसके चलते टोरंटो में मौजूद भारत के वाणिज्य दूतावास को अपने कार्यक्रम रद्द करने पड़े हैं। टोरंटो के भारतीय कांसुलेट ने घोषणा की है कि कनाडाई सुरक्षा अधिकारियों की तरफ से न्यूनतम सुरक्षा देने में विफल रहने के बाद अपने कुछ निर्धारित कांसुलेट कैंप शिविरों को रद्द कर दिया है।

भारतीय कांसुलेट की पोस्ट में कहा, सुरक्षा एजेंसियों द्वारा सामुदायिक शिविर आयोजकों को न्यूनतम सुरक्षा प्रदान करने में असमर्थता जाहिर करने के मद्देनजर, वाणिज्य दूतावास ने कुछ

कनाडाई सुरक्षा एजेंसियां कांसुलेट कार्यक्रम के लिए नहीं दे रहीं सुरक्षा

निर्धारित कांसुलेट कैंप्स को रद्द करने का निर्णय लिया है। वाणिज्य दूतावास की यह घोषणा भारत विरोधी चरमपंथियों के हमले के बाद की गई है।

भारतीय वाणिज्य दूतावास ने टोरंटो के पास ब्रैम्पटन में हिंदी सभा मंदिर के बाहर एक वाणिज्य दूतावास शिविर का आयोजन किया था। इस दौरान खालिस्तान समर्थक अलगाववादियों ने घुसकर हमला किया था। भारत ने कांसुलेट के कार्यक्रम पर हमले को लेकर उच्च स्तर पर कड़ा विरोध दर्ज कराया था।

भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसे जानबूझकर किया गया हमला बताते हुए नाराजगी जाहिर की थी और कहा था कि इस तरह के हमले भारत के राजनयिक मिशन के इरादों को कमजोर नहीं कर सकेंगे। कनाडा स्थित भारतीय उच्चायोग ने ब्रैम्पटन में हिंसक हमले को लेकर एक बयान जारी किया था और इसकी निंदा की थी।

उच्चायोग ने लिखा, स्थानीय सह–आयोजकों के पूर्ण सहयोग से हमारे वाणिज्य दूतावासों द्वारा आयोजित किए जाने वाले नियमित वाणिज्य दूतावास संबंधी कार्यों में इस तरह के व्यवधानों को अनुमति देना अत्यंत निराशाजनक है। हम भारतीय नागरिकों सहित आवेदकों की सुरक्षा के लिए भी बहुत चिंतित हैं, जिनकी मांग पर ही इस तरह के कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।

अमेरिका में ट्रंप की जीत के बाद भी नहीं डरा ईरान

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) तेहरान। अमेरिका के चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप को जीत हासिल हुई है। अपने चुनाव प्रचार में ट्रंप लगातार गाजा युद्ध का जिक्र करते रहे हैं। इसके अलावा वह इजरायल के समर्थन की भी बात कर चुके हैं। ट्रंप की जीत के बावजूद ईरान डरा नहीं है और उसने इजरायल के खिलाफ एक बड़ा हमला करने की धमकी दी है। यह हमला पिछले महीने ईरान पर हुए इजरायल के हमले के जवाब में किया जाएगा। ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स के उप प्रमुख अली फदावी ने कहा, जायोनिस्ट के पास हमसे मुकाबला करने की ताकत नहीं है और उन्हें हमारी प्रतिक्रिया का इंतजार करना होगा। हमारे डिपो के पास इसके लिए पर्याप्त हथियार हैं। इजरायल को ईरान की ओर से एक बड़े हमले का खतरा है।

Page Three

Classified

Adds can be booked under these Categories : (all day publication)

Recruitment
Property
Business Opportunity
Vehicles
Announcements
Antiques & Collectables
Barter
Books
Computers
Domain Names
Education
Miscellaneous
Entertainment & Event
Hobbies & Interests
Services
Jewellery & Watches
Music
Obituary
Pets & Animals
Retail
Sales & Bargains
Health & Sports
Travel

Matrimonial (Sunday Only)

अब मात्र रु. 20 प्रति शब्द

शीतकाल में मर्केटेश्वर मंदिर मक्कूमठ में होगी तृतीय केदार की शीतकालीन पूजायें

आस्था

भगवान तुंगनाथ की उत्सव विग्रह डोली शीतकालीन गद्दीस्थल श्री मर्केटेश्वर मंदिर मक्कूमठ पहुंची

संवाददाता

रुद्रप्रयाग। पंचकेदारों में प्रतिष्ठित तृतीय केदार श्री तुंगनाथ जी की उत्सव डोली आज समारोह पूर्वक शीतकालीन गद्दीस्थल श्री मर्केटेश्वर मंदिर मक्कूमठ में विराजमान हो गयी है। इसी के साथ श्री मर्केटेश्वर मंदिर मक्कूमठ में भगवान तुंगनाथ जी की शीतकालीन पूजाएं शुरू हो गयी। गुरूवार को डोली के मक्कूमठ पहुंचने के अवसर पर स्थानीय जनता तथा श्रद्धालुओं ने श्री तुंगनाथ जी की डोली का भव्य स्वागत किया। पूरे डोली यात्रा मार्ग पर हजारों श्रद्धालुओं ने बाबा तुंगनाथ जी की उत्सव डोली के दर्शन किये शीतकालीन गद्दीस्थल श्री मर्केटेश्वर मंदिर मक्कूमठ को श्री तुंगनाथ जी की डोली के पहुंचने के अवसर हेतु फूलों से सजाया गया है।

भगवान तुंगनाथ जी की उत्सव डोली के शीतकालीन गद्दीस्थल पहुंचने के अवसर पर अपने संदेश में श्री बदरीनाथ –केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) अध्यक्ष अजेंद्र अजय ने श्रद्धालुओं को शुभकामनाएं दी। उन्होंने बताया कि इस यात्रा वर्ष 173742(एक लाख तिहत्तर हजार सात सौ बयालीस) तीर्थयात्रियों ने भगवान तुंगनाथ जी के दर्शन किये।

बीकेटीसी मुख्य कार्याधिकारी विजय प्रसाद थपलियाल ने भी श्री तुंगनाथ जी की उत्सव डोली के शीतकालीन गद्दीस्थल पहुंचने पर श्रद्धालुओं को शुभकामनायें प्रेषित की हैं।

उल्लेखनीय है कि श्री तुंगनाथ मंदिर मंदिर के 4 नवंबर सोमवार को शुभ मुहूर्त पर विधि–विधान से शीतकाल के लिए बंद हो गये थे। कपाट बंद होने के बाद 4 नवंबर सोमवार को भगवान तुंगनाथ जी की चल विग्रह डोली चोपता प्रवास किया 5 नवंबर तथा 6 नवंबर को चलविग्रह डोली दूसरे पड़ाव भनकुंड प्रवास पर रही। आज बृहस्पतिवार 7 नवंबर को प्रातः भनकुंड से प्रस्थान कर भगवान तुंगनाथ जी की चलविग्रह डोली शीतकालीन गद्दीस्थल श्री मर्केटेश्वर मंदिर मक्कूमठ पहुंची।

इसके बाद भगवान तुंगनाथ जी की चल विग्रह मूर्ति को श्री मर्केटेश्वर मंदिर मक्कूमठ मंदिर गर्भगृह में स्थापित कर दिया गया बीकेटीसी मीडिया प्रभारी डा हरीश गौड़ ने बताया कि इसी के साथ श्री मर्केटेश्वर मंदिर मक्कूमठ में भगवान तुंगनाथ जी की शीतकालीन पूजाएं शुरू हो गयी है।

श्री तुंगनाथ जी की देवडोली के श्री मक्कूमठ पहुंचने के अवसर पर पूर्व विधायक आशा नौटियाल, सहित मठापति रामप्रसाद मैठाणी, बदरीनाथ धाम के सेवानिवृत्त मंदिर अधिकारी भूपेंद्र मैठाणी, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी डीएस भुजवाण, एसएओध्प्रभारी अधिकारी केदारनाथ मंदिर यदुवीर पुष्पवान सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु पूजा–अर्चना में शामिल हुए।

इस अवसर पर डोली यात्रा के साथ प्रबंधक बलबीर नेगी, डोली प्रभारी प्रकाश पुरोहित सहित पुजारीगण अतुल मैठाणी, अजय मैठाणी रविन्द्र मैठाणी, विनोद मैठाणी, चंद्रमोहन बजवाल, प्रमोद कैशिव, एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालुजन मौजूद रहे।

'जल संचय जीवन संचय'

उत्तराखण्ड जल संस्थान

राज्य की जनता को निरन्तर, पर्याप्त, स्वच्छ पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने के मूल उद्देश्य की प्राप्ति के लिये विभाग सतत प्रयासरत है।
कतिपय नगरों /क्षेत्रों में दूषित जलापूर्ति के समाचार प्रकाशित होते हैं। इस सम्बन्ध में नागरिकों से अनुरोध है कि निम्नानुसार सहयोग प्रदान करने का कष्ट करें।

- **पेयजल एवं सीवर से सम्बन्धी शिकायत के लिए "शिकायत निवारण केन्द्र" टोल फ्री नं0 1916 अथवा 1800–180–4100 से सम्पर्क करें।**
- **समस्या का कारण मुख्यतः पाइप लाईन में लीकेज है जो जल संस्थान की पाईप के साथ–साथ अधिकांश उपभोक्ताओं के कनैक्शन के ऐसे पाईप हैं जो नाली/आदि के अन्दर/बीच से गुजरते हैं। अपने आस–पास लगे पाईपों की लीकेज पर विशेष ध्यान दें एंव छोटी से छोटी लीकेज की सूचना जल संस्थान के क्षेत्रीय कार्यालय/मुख्यालय को दें।**
- **विभागीय कर्मचारियों द्वारा जाँच के समय यदि व्यक्तिगत कनैक्शन के पाईप में लीकेज पाई जायेगी तो बिना अन्य नोटिस के तत्काल कनैक्शन बन्द कर दिया जायेगा और अर्थदण्ड लिया जा सकता है।**
- **प्रदूषण की समस्या का अन्य प्रमुख कारण लाईन पर सीधे टुल्लू पम्प लगाना है। पम्प लगाने से लीकेज वाले स्थानों पर भरा गन्दा पानी पाईप लाइन में प्रवेश कर जाता है और प्रदूषण की समस्या उत्पन्न होती है।**
- **यदि देखने में पानी स्वच्छ न हौ अथवा उसमें अशुद्धियों के कण दिखायी दें अथवा बदबू हो तो क्लोरीन टेबलेट को प्रयोग में लायें। ' प्रायः जलापूर्ति के आरम्भ में थोड़ी देर गन्दा पानी आने की शिकायत रहती है बाद में पानी स्वच्छ हो जाता है। स्वच्छ पानी एकत्रित करें।**

इसके अतिरिक्त हम आपकी सेवा बेहतर कर सकें, इसके लिये हम आपसे निम्न निवेदन करते है:–

1. **पेयजल अमूल्य है, कृपया इसका सदुपयोग करें।**
2. **पेयजल की बरबादी तथा अवैधानिक उपयोग किसी अन्य को प्यासा रख सकता है, अतः कृपया ऐसा न करें।**
3. **विभाग को देयको का समयान्तर्गत भुगतान कर पेयजल व्यवस्था में सहयोग करें।**

जिलाधिकारी ने लिया गौचर मेले की तैयारियों का जायजा

संवाददाता चमोली। 72वें राजकीय औद्योगिक विकास एवं सांस्कृतिक मेला आगामी 14 नवंबर से शुरू होगा। मेले के भव्य आयोजन को लेकर जिला प्रशासन तैयारियों में जुटा है। जिलाधिकारी संदीप तिवारी ने गुरूवार को गौचर मेला मैदान में मेले से जुड़ी विभिन्न व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया। मेला मैदान में मुख्य पंडाल, स्टॉल, प्रवेश व निकासी द्वार, वाहन पार्किंग, विद्युत, पेयजल, शौचालय, साफ–सफाई तथा सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए जिलाधिकारी ने सभी व्यवस्थाएं 12 नवंबर तक चाक चौबन्द करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने ट्रैफिक मैनेजमेंट के लिए शटल सेवा की व्यवस्था के साथ ही वाहन पार्किंग की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा। नगर पालिका को मेले के दौरान और मेला समापन पर मेला मैदान की साफ सफाई के लिए अभी से पुख्ता व्यवस्था सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए।

173 पोलिंग बूथों के लिए किया गया ईवीएम मशीनों का रेंडमाईजेशन

संवाददाता रुद्रप्रयाग। 07–केदारनाथ विधान सभा उप निर्वाचन को सफलतापूर्वक संपादित कराने के लिए एनआईसी कक्ष में भारत निर्वाचन आयोग द्वारा नियुक्त किए गए सामान्य प्रेक्षक विनोद शेषन की उपस्थिति में ईवीएम मशीनों का द्वितीय रेंडमाईजेशन किया गया। इस अवसर पर राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि भी मौजूद रहे।

जिला निर्वाचन अधिकारी जिलाधिकारी सौरभ गहरवार ने सामान्य प्रेक्षक को अवगत कराया है कि केदारनाथ विधान सभा क्षेत्रांतर्गत 173 पोलिंग बूथ हैं जिसके लिए आज ईवीएम मशीनों का द्वितीय रेंडमाईजेशन किया जा रहा है। इसके साथ ही सभी बूथों के लिए 159 ईवीएम एवं बीयू, सीयू तथा वीवीपैट मशीनें रिजर्व में रखी गई हैं।

इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्याम सिंह राणा, रिटर्निंग अधिकारी 07–केदारनाथ अनिल शुक्ला, नोडल अधिकारी ईवीएम मीनल गुलाटी, जिला सूचना विज्ञान अधिकारी दीप्ति चमोली, जिला पर्यटन अधिकारी राहुल चौबे, सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी धीरज कुमार, कांग्रेस पार्टी के प्रतिनिधि प्रदीप सिंह जगवाण, पीपीआईडी से अमरजीत, हार्दिक आदि मौजूद रहे।

बुनियादी ढांचे का हिस्सा

सर्वोच्च अदालत के फैसले से यह भी साफ हुआ कि संशोधन के द्वारा प्रस्तावना में धर्मनिरपेक्ष शब्द जोड़े जाने का मतलब यह नहीं है कि इससे पहले धर्मनिरपेक्षता संविधान का अहम हिस्सा नहीं थी। भारतीय परिवेश ने इन शब्दों, मूल्यों, संकल्पनाओं को काफी हद तक अपने अनुरूप ढाल लिया है।

अनुज श्रीवास्तव।।

आजकल धर्मनिरपेक्षता को लेकर चलने वाली बहसें अक्सर जिस तरह का तीखा रूप ले लेती हैं, उसके मद्देनजर यह महत्वपूर्ण है कि पिछले दो दिनों में दो बार सुप्रीम कोर्ट के अलग–अलग फैसलों में इसकी अहमियत रेखांकित हुई। एक मामले में सर्वोच्च अदालत ने धर्मनिरपेक्षता को संविधान के मूल ढांचे का हिस्सा करार दिया तो दूसरे मामले में इसकी संकीर्ण व्याख्या से उपजी गड़बड़ियां दुरुस्त कीं।

संविधान के 42वें संशोधन को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर फैसला सुनाते हुए सुप्रीम कोर्ट ने एक बार फिर यह स्पष्ट किया कि धर्मनिरपेक्षता के साथ कोई छेड़छाड़ नहीं की जा सकती क्योंकि यह संविधान के बुनियादी ढांचे का हिस्सा है। मामले की गंभीरता का अहसास कराते हुए जस्टिस संजीव खन्ना ने याचिकाकर्ताओं से सीधा सवाल किया कि 'क्या आप नहीं चाहते कि भारत धर्मनिरपेक्ष रहे?' याचिकाकर्ताओं ने भी तब कहा कि उन्हें देश की धर्मनिरपेक्षता से आपत्ति नहीं, वे सिर्फ 42वें संशोधन को चुनौती दे रहे हैं।

सर्वोच्च अदालत के फैसले से यह भी साफ हुआ कि संशोधन के द्वारा प्रस्तावना में धर्मनिरपेक्ष शब्द जोड़े जाने का मतलब यह नहीं है कि इससे पहले धर्मनिरपेक्षता संविधान का अहम हिस्सा नहीं थी। चाहे समानता के अधिकार की बात हो या संविधान में आए बंधुत्व शब्द की या फिर इसके पार्ट 3 में दिए गए अधिकारों की, ये सब इस बात का साफ संकेत हैं कि धर्मनिरपेक्षता भारतीय संविधान की मूल विशेषता है। अदालत ने यह भी कहा कि चाहे धर्मनिरपेक्षता हो या समाजवाद, इन्हें पश्चिम के संदर्भ में देखने की जरूरत नहीं। भारतीय परिवेश ने इन शब्दों, मूल्यों, संकल्पनाओं को काफी हद तक अपने अनुरूप ढाल लिया है।

दूसरा मामला इलाहाबाद हाईकोर्ट द्वारा यूपी बोर्ड ऑफ मदरसा एजुकेशन एक्ट 2004 को रद्द किए जाने से जुड़ा था, जिसे सुप्रीम कोर्ट ने गलत करार दिया। हाईकोर्ट ने इस एक्ट को धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांत के खिलाफ माना था। धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांत की इस संकीर्ण व्याख्या के चलते प्रदेश के 13 हजार से ज्यादा मदरसों में पढ़ रहे 12 लाख से अधिक स्टूडेंट्स के भविष्य पर अनिश्चितता के बादल मंडराने लगे थे। मगर सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि जरूरत मदरसों को बैन करने की नहीं बल्कि उन्हें मुख्यधारा में शामिल करने की है।

इन दोनों फैसलों पर गौर करें तो यह स्पष्ट हो जाता है कि जरूरत धर्मनिरपेक्षता को आधुनिक लोकतांत्रिक समाज की एक अपरिहार्य विशेषता के रूप में स्वीकार करने की ही नहीं, उसे लेकर उदार और व्यापक नजरिया विकसित करने की भी है। इसे कमजोर करने की कोई भी जानी अनजानी कोशिश अंततरू देश और समाज को ही कमजोर करेगी।

श्री गणेश

अशोक वोहरा। उसके बाद शालू कहती है कि अच्छा आप कौन है जो सबकी मदद करते हैं कोई भी भगवान श्री गणेश तुरंत अपने प्रकट हो जाते हैं और उस बुढ़िया के सामने प्रकट जाता है। शालू देखकर आश्चर्यचकित रह जाता है और वह हमेशा उसी दिन से भगवान श्री गणेश जी की पूजा आराधना में बहुत ज्यादा विलीन हो जाता है। अब तो उसकी अच्छी खासी बिजनेस चल रही थी और फिर राजू भी अपना अलग काम करने के बारे में सोचने लगा था जिस कारण से उसका घर परिवार अच्छी तरह से गुजर बसर होने लगा था। आगे चलकर राजू ने शादी करने का फैसला किया साधु उस दिन बहुत खुशी दे क्योंकि उसकी बेटी की शादी होने वाली थी। इसी तरह से दोनों लोग तीनों लोग एक परिवार बनाकर सदा के लिए एक साथ रहने लगे थे।...**शेष कल**

संपादकीय

बढ़ा मनोबल

एक बात और ध्यान देने की है कि हरियाणा के शहरी इलाकों में बीजेपी ने एकतरफा जीत हासिल की है। राज्य की 12 शहरी सीटों में से दस पर उसका परचम लहराया है। लोकसभा चुनावों में पूर्ण बहुमत हासिल ना करने की वजह से बीजेपी में कुछ हद तक निराशा का भाव रहा है। यह निराशा हरियाणा के प्रचार अभियान में भी कुछ हद तक नजर आ रही थी। लेकिन जमीनी स्तर पर जिस तरह काम हुआ, पंचायत स्तर पर लोगों को साधने की कोशिश हुई, उसका असर हुआ। इसका पार्टी के मनोबल पर अच्छा प्रभाव पड़ेगा। कार्यकर्ता दोगुने उत्साह से महाराष्ट्र और झारखंड के चुनावी मैदान में उतरेंगे। यहां ध्यान देने की बात यह है कि हरियाणा में कांग्रेस की जीत सुनिश्चित करने के लिए पड़ोसी उत्तर प्रदेश की समाजवादी पार्टी ने अपना एक भी उम्मीदवार राज्य में नहीं उतारा था, जबकि उसकी चाहत भी राष्ट्रीय पार्टी बनने की है। जाहिर है, हरियाणा की हार का असर कांग्रेस की अगुआई वाले विपक्षी गठबंधन की अंदरूनी राजनीति पर भी पड़ेगा।

हरियाणा का एक सच और भी है। वहां करीब 35 प्रतिशत ओबीसी मतदाता हैं। इसके साथ ही करीब 21 प्रतिशत दलित और बाकियों में ब्राह्मण, बनिया, पंजाबी, गुर्जर और यादव हैं।

ओबीसी और दलित वोट

उमेश चतुर्वेदी।।

1999 के लोकसभा चुनावों के पहले तब के चुनाव विश्लेषक योगेंद्र यादव ने एक्जिट पोल को लेकर एक बड़ी बात कही थी। उन्होंने कहा था कि एक्जिट पोल काला जादू नहीं होता। हरियाणा के चुनाव नतीजों ने साबित किया है कि एक्जिट पोल सचमुच काला जादू नहीं होता। चुनाव खत्म होने के बाद शायद ही कोई एक्जिट पोल था, जो कांग्रेस की भारी जीत की मुनादी नहीं कर रहा था। एक्जिट पोल की खुशफहमी मतगणना शुरू होने के कुछ देर बाद तक बनी भी रही, जब पहले दौर की गिनती के दौरान कांग्रेस भारी बहुमत की ओर बढ़ती नजर आ रही थी। लेकिन 10 बजते–बजते खेल पलटना शुरू हुआ और बीजेपी तीसरी बार जीत की ओर बढ़ती दिखने लगी।

हरियाणा की सामाजिक स्थिति और वहां के लोगों के स्वभाव को जो गहरे से जानते हैं, उन्हें पता था कि राज्य के चुनावी नतीजे वैसे नहीं आ रहे, जैसा मीडिया में दिखाया जा रहा है। हरियाणा के जातीय गणित में 23 प्रतिशत की हिस्सेदारी के साथ जाट सबसे बड़ा समूह है। संघर्षशील जाट समुदाय की खूबी है कि उसे साफगोई पसंद है। किसानों और पहलवानों के आंदोलन में भी उसकी बढ़–चढ़कर भागीदारी रही। इस भागीदारी और उसकी मुखरता ने

चुनावी माहौल में ऐसा कोलाज रचा कि लगा पूरा हरियाणा बीजेपी के विरोध में खड़ा नजर आने लगा। हरियाणा का एक सच और भी है। वहां करीब 35 प्रतिशत ओबीसी मतदाता हैं। इसके साथ ही करीब 21 प्रतिशत दलित और बाकियों में ब्राह्मण, बनिया, पंजाबी, गुर्जर और यादव हैं। चूंकि जाट समुदाय के पास जमीन अपेक्षाकृत ज्यादा है, इसलिए किसान आंदोलन में इनकी भागीदारी ज्यादा रही। कांग्रेस का किसान आंदोलन को साथ था। लिहाजा उसने पूरी राजनीति जाट केंद्रित ही कर दी। उसे भरोसा था कि जाट और दलित मिलकर उसकी सत्ता में वापसी करा देंगे। कांग्रेस ने सबसे ज्यादा 28 जाट उम्मीदवार मैदान में उतारे, जबकि बीजेपी ने 16 उम्मीदवारों पर ही भरोसा किया।

हरियाणा में कांग्रेस की पूरी कमान भूपिंदर सिंह हुड्डा ने संभाल ली। दलित नेता कुमारी सैलजा की नहीं चली। कांग्रेस से दलित नाराज हुआ। विनेश फोगाट के कांग्रेस में शामिल होने से जाटों का एक समुदाय भी खुद को ठगा हुआ महसूस करने लगा। इन सबका मिला–जुला असर था कि हरियाणा में कांग्रेस की ना तो आंधी आई और ना सुनामी। 2014 में जीत के बाद ठश्रच ने अप्रत्याशित रूप से राज्य की ताकतवर जातियों और समुदायों के बजाय पंजाबी मनोहर लाल को सत्ता की कमान सौंप दी। इससे जाट समुदाय के बड़े हिस्से में नाराजगी बढ़ी।

बीजेपी ने लोकसभा चुनावों से ठीक पहले इस नाराजगी को भांपा और मनोहर लाल की जगह पिछड़े वर्ग से आने वाले नायब सिंह सैनी को मुख्यमंत्री बनाया। बीजेपी की इस सोशल इंजिनियरिंग का ही असर कह सकते हैं कि राज्य के 35 प्रतिशत ओबीसी मतदाताओं के बड़े वर्ग ने उसका साथ दिया है। इन पंक्तियों के लिखे जाने तक उपलब्ध चुनाव आयोग के आंकड़ों के मुताबिक, बीजेपी को जहां 39.93 प्रतिशत मत मिले हैं, वहीं कांग्रेस को उससे कुछ ही कम यानी 39.26 प्रतिशत वोट। किस समुदाय का वोट किस पार्टी को मिला, इसका ठोस विश्लेषण तो पूरी तस्वीर सामने आने के बाद ही हो सकेगा। लेकिन मोटे तौर पर ऐसा लग रहा है कि यादव और गुर्जर समेत ओबीसी समुदाय के दूसरे वोटरों के साथ ही बीजेपी को पारंपरिक पंजाबी, ब्राह्मण और बनिया समुदाय का तकरीबन समूचा वोट मिला है। तभी पार्टी तीसरी बार धमाके के साथ सत्ता में लौट रही है।

अष्टयोग- 5111

7	6		4		3	5
2	28	4	33	7	35	
	2		6		7	
5	28		38		34	1
	2	6	3		1	
3	31	2	31	1	30	6
6	1		4		5	2

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों ओर के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 5110 का हल

1	2	3	7	5	6	4
3	29	6	37	2	31	1
4	3	7	1	6	2	5
5	29	1	33	4	37	6
6	1	2	5	7	4	3
2	33	4	31	3	30	7
7	6	5	4	1	3	2

Jagrutidaar.com, Bangalore

अपना ब्लॉग

संघ की भूमिका

मोहन। भारतीय जनता पार्टी को अंदाजा लग गया था कि तीसरी बार सत्ता में वापसी की राह मुश्किलों से भरी है। पिछले एक दशक में पार्टी के चुनाव प्रचार की रणनीति मेगा शो के आयोजन पर केंद्रित रही है। लेकिन हरियाणा में पार्टी ने मेगा शो के बजाय पंचायत और स्थानीय स्तर पर काम किया। इसमें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यकर्ताओं की भी बड़ी भूमिका रही। उन्होंने वोटरों को जहां जरूरी लगा, वहां समझाया और बूथों तक पहुंचाने में भी बड़ी भूमिका निभाई। इसमें दो राय नहीं कि लगातार दो बार सत्ता में रहने के चलते बीजेपी के खिलाफ सत्ता विरोधी लहर थी। लेकिन यह लहर भी विशेषकर किसानों और कुश्ती पर टिकी थी। चूंकि यही वर्ग मुखर भी रहता है इसलिए हरियाणा पर निगाह रखने वालों को लगता था कि जैसा यह मुखर समुदाय बोल और सोच रहा है, समूचे हरियाणा की यही सोच है।

साई पल्लवी से रोमांस करते नजर आएंगे नागा चैतन्य

नागा चौतन्य इन दिनों शोभिता धुलिपाला के साथ अपनी शादी को लेकर चर्चा में हैं, वहीं इस बीच एक्ट्टर की नई फिल्म थंडेल का फर्स्ट लुक पोस्टर जारी कर दिया गया है। साथ ही रिलीज डेट भी आ गई है। इस फिल्ध्म में चैतन्य के साथ साई पल्लवी लीड रोल में हैं। शादी के दो महीने बाद ही नागा चैतन्य पर्दे पर रोमांटिक लव स्टोरी में नजर आएंगे, कयोंकि खबर है कि 4 दिसंबर को हैदराबाद में ही वह शादी करने वाले हैं। पहले ऐसी खबरें थीं कि यह शादी जयपुर में होगी, लेकिन अब बताया जा रहा है कि नागा चैतन्य और शोभिता धुलिपाला हैदराबाद में नागार्जुन के अन्नपूर्णा स्टूडियो में ही सात फेरे लेंगे। मेकर्स ने नागा चैतन्य की नई फिल्म थंडेल का फर्स्ट पोस्टर रिलीज किया है। इसमें वह और साई पल्लवी एक–दूसरे की बाहों में नजर आ रहे हैं। चंदू मोंडेती के डायरेक्शन में बनी यह फिल्म गीता आर्ट्स के बैनर तले बनी है और इसे अल्लू अरविंद प्रजेंट कर रहे हैं। मेकर्स ने पोस्टर के साथ ही थंडेल की रिलीज डेट की भी घोषणा कर दी है। यह फिल्म 7 फरवरी 2025 को सिनेमाघरों में आएगी। यह वैलेंटाइन डे से ठीक एक हफ्ते पहले आ रही है। यह तारीख इसलिए भी चुनी गई है कि सीजन के रोमांटिक मूड के हिसाब से यह एक रोमांटिक फिल्म के लिए बिल्कुल सही समय है।

राहुल वैद्य ने बांद्रा में खरीदा आलीशान अपार्टमेंट, कीमत जान उड़ जाएंगे होश

सिंगर और रियलिटी शोज में नजर आ चुके राहुल वैद्य ने हाल ही में मुंबई में 9 करोड़ रुपये का एक अपार्टमेंट खरीदा है। इस बात का खुलासा स्क्वायर यार्ड्स की रिपोर्ट में हुआ है। नया खरीदा गया अपार्टमेंट डीएलएच सिग्नेचर में स्थित है, जो बांद्रा पश्चिम में डीएलएच ग्रुप का एक प्रीमियम प्रोजेक्ट है। 1.25 एकड़ में फैले इस परिसर में कई तरह की सुविधाएं मौजूद हैं। स्क्वायर यार्ड्स के अनुसार, राहुल वैद्य ने जो अपार्टमेंट खरीदा है, वह लगभग 3,110 वर्ग फीट (288.92 वर्ग मीटर) के कारपेट एरिया और 317.93 वर्ग मीटर (3,422 वर्ग फीट) के बिल्ट–अप एरिया में फैला हुआ है। अक्टूबर, 2024 में अंतिम रूप दिए गए इस लेन–देन में 56.37 लाख रुपये की स्टाम्प ड्यूटी और 30,000 रुपये की रिजस्ट्रेशन फीस शामिल है। राहुल वैद्य की बेटी का हाल ही में एक वीडियो सामने आया था, जिसमें वह पहली बार अपने नन्हें कदमों पर चल रही थी और सिंगर की मां वहां मौजूद थीं। राहुल वैद्य इंडियन आइडल सीजन 1 के रनर–अप रहे थे। उन्होंने बिग बॉस 14 भी किया था और उसमें भी वह रनर–अप आए थे। इसके अलावा अभी वह लाफ्टर शेफ्स में दिखाई दिए थे। जहां उनकी जोड़ी अली गोनी के साथ बनाई गई थी। पत्नी दिशा परमार ने उन पर गर्व जताया था।

शारदा सिन्हा के लिए मैंने प्यार किया मेकर ने किया भावुक पोस्ट

शारदा सिन्हा हमारे बीच नहीं रहीं और छठ का महापर्व से पहले ही वो इस दुनिया से हमेशा के लिए विदा हो गईं। शारदा सिन्हा ने छठ के गीतों के अलावा बॉलीवुड फिल्मों में भी अपना आवाज दी थी। उन्होंने सूरज बड़जात्या की हिट फिल्म सलमान खान स्टारर मैंने प्यार किया में एक बेहद खूबसूरत गीत गाया था। आज शारदा सिन्हा के निधन पर राजश्री प्रॉडक्शन ने इंस्टाग्राम पर उन्हें श्रद्धांजलि दी है। इस इंस्टाग्राम पोस्ट में कहा गया है कि शारदा सिन्हा की आवाज हमारे दिलों में हमेशा जिंदा रहेगी। उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए इस पोस्ट में शारदा सिन्हा की एक ब्लैक एंड वाइट तस्वीर भी शेयर की गई है। उन्होंने शारदा सिन्हा के लिए एक भावुक पोस्ट करते हुए लिखा है, शारदा सिन्हा को विदाई, जिनकी आवाज भारतीय लोक संगीत का दिल थी। उनके गीत हमारे दिलों में गूंजते रहेंगे और आने वाली पीढ़ियों के लिए उनकी विरासत को सुरक्षित रखेंगे। उनकी आत्मा को शांति मिले। शारदा सिन्हा ने अपने एक इंटरव्यू में बताया था कि उन्हें इस फिल्म का ऑफर कैसे मिला था। उन्होंने बताया था कि तब वो साल 1988 में एक भोजपुरी फिल्म माई के गाने की रिकॉर्डिंग के लिए मुंबई गई थीं।

ओरी ने ट्रंप को दी बधाई तो लोगों ने किया अनफॉलो

डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव जीत लिया है। उन्होंने डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवार कमला हैरिस को एक बड़े अंतर से मात दी है। इसी के साथ ट्रंप का अमेरिका का 47वां राष्ट्रपति बनना तय हो गया है। इस मौके पर ओरी ने भी इंस्टाग्राम पर उनसे जुड़ा एक पोस्ट शेयर किया है और कई तस्वीरें भी अपलोड की हैं। इसमें ओरी ने बताया है कि उनका वोट कमला हैरिस को नहीं, बल्कि डोनाल्ड ट्रंप को गया है, जो कि सफल हुआ।

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

कमला हैरिस का उड़ाया था मजाक

बॉलीवुड सितारों के दोस्त ओरी पार्टीज में तो छाए रहते ही हैं। सोशल मीडिया पर भी लोगों का ध्यान किसी न किसी वजहों से अपनी तरफ खींच लेते हैं। अब उन्होंने इंस्टाग्राम पर अपनी कुछ फोटोज पोस्ट की हैं। इसमें वह डोनाल्ड ट्रंप को वोट देते दिख रहे हैं। उन्होंने ट्रंप की जीत पर खुशी जताई है और कैप्शन में लिखा है, हमने कर दिखाया डोनाल्ड। हमने कर दिखाया। इसके साथ उन्होंने ट्रंप को टैग किया। जिसके बाद उन्हें उनकी तरफ से मैसेज भी आया और उसका भी स्क्रीनशॉट ओरी ने शेयर किया है।

ओरी ने दिया डोनाल्ड ट्रंप को वोट

ओरी ने कैप्शन में ये भी लिखा कि उन्हें राष्ट्रपति चुनाव में अपने वोटिंग अधिकार का इस्तेमाल करने पर गर्व है। इस पर लोगों ने रिएक्ट भी किया। एक यूजर ने लिखा, कमला हैरिस को नाराज करने की कोई जरूरत नहीं है। ठीक है ओरी। एक ने लिखा, श्क्या आप जानते हैं कि आपके मुंबई निर्वाचन क्षेत्र से कौन चुनाव लड़ रहा है? एक ने लिखा, ठीक है, माफ करें, दुर्भाग्यवश आप

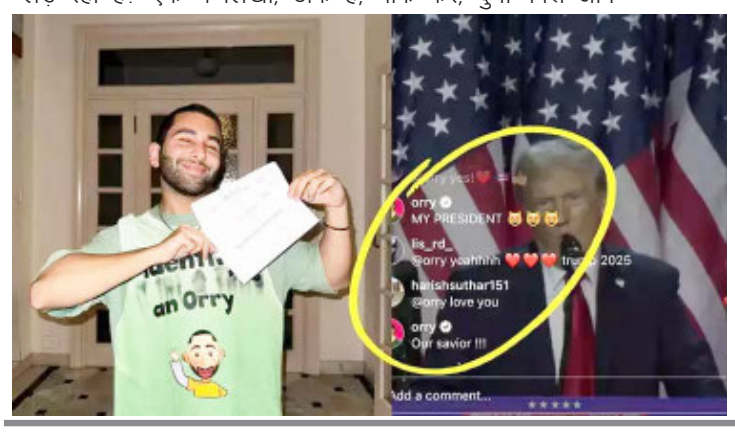

जीत गए, लेकिन कमला को नाराज करने की कोई जरूरत नहीं है! वहीं कुछ ने ओरी को अनफॉलो भी कर दिया और कमेंट में इस बात की जानकारी दी। साथ ही ट्रंप को अपना प्रेसिंडट और सेवियर बताया है।

कमला हैरिस के खिलाफ हैं ओरी

ओरी की नागरिकता अमेरिका की है। वह भारत में सिर्फ रहते हैं और नौकरी करते हैं। बीते दिन कमला हैरिस की कैम्पेनिंग टीम की तरफ से उनका एक वीडियो शेयर किया गया था, जिसमें कमला हैरिस ने एक रेनबो फ्लैग वाली जैकेट पहनी थी। इस पर ओरी ने रिएक्ट किया था और उबकाई वाला चेहरा बनाने वाला इमोजी पोस्ट किया था। इसके अलावा ओरी ने कमला हैरिस के नाम का मजाक बनाते हुए उन्हें श्मामला वायरसश कहा था और ट्रंप का समर्थन किया था। जिसके बाद लोग उनसे नाराज हो गए थे। उनकी आलोचना करने लगे थे। साथ ही अनफॉलो करने का भी बोल रहे थे।

छठ पर दुल्हन जैसी सजी–धजीं मनीषा रानी

मनीषा रानी के हजारों–लाखों चाहने वाले हैं, लेकिन इस बार उन्होंने कुछ यूजर्स को नाराज कर दिया है। बल्कि उनपर ये आरोप लग रहे हैं कि उन्होंने छठ महापर्व का मजाक उड़ाया है। दरअसल, उनकी अभी शादी नहीं हुई है, लेकिन वो सुहागन की तरह सज–धजकर, नाक पर सिंदूर लगाकर तैयार हुईं।

मनीषा रानी रियलिटी शो बिग बॉस ओटीटी सीजन 2 में नजर आई थीं। उनकी तगड़ी फैन फॉलोइंग है और वो सोशल मीडिया पर खूब एक्टिव रहती हैं। उन्होंने छठ महापर्व पर सज–धजकर अपनी कुछ फोटोज शेयर कीं, जिसमें वो समंदर किनारे हाथ में सूप लिए पोज दे रही हैं। उनकी ये तस्वीरें देखते ही देखते वायरल हो रही हैं। फैंस उन पर फिदा हो गए हैं तो यूजर्स को उनका इस तरह से बिना शादी के सिंदूर लगाना पसंद नहीं आ रहा है।

हम बिहारियों का प्यार है छठ पूजा

मनीषा रानी ने इंस्टाग्राम पर अपनी कुछ तस्वीरें शेयर कीं। इनमें वो दुल्हन की तरह सजी हुई हैं। साड़ी पहनी है। गले में नेकलेस, नाक में नथ और माथे पर मांग टीका। हाथों में भरी–भरी चूड़ियां पहने सूप पकड़ा हुआ है। उन्होंने कैप्शन में लिखा, हम बिहारियों का प्यार है छठ पूजा। सभी को हैप्पी छठ। उन्होंने ये भी बताया है कि ये मेकओवर उन्होंने खुद किया है।

मनीषा रानी की छठ पर शेयर की गईं तस्वीरें

मनीषा रानी के इस पोस्ट पर कॉमेंट्स की बाढ़ आ गई है। एक ने लिखा, छठी मैय्या आपकी सारी मनोकामनाएं पूरी करें। दूसरे ने कॉमेंट किया कि वो बेहद खूबसूरत दिख रही हैं। पर कुछ यूजर्स को उनका यूं सिंदूर लगाना पसंद नहीं आ रहा है। उनका कहना है कि मनीषा ने इस महापर्व का भद्दा मजाक बना दिया है।

इन शोज में आईं नजर

27 साल की मनीषा रानी डांसर हैं और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर भी हैं। साल 2023 में बिग बॉस ओटीटी 2 में पार्टिसिपेट लेने के बाद वो झलक दिखला जा के 11वें सीजन में नजर आई थीं। वो इस शो की विनर थीं।

आप अंकुरित या हरा आलू तो नहीं खा रहे?

आलू एक ऐसी सब्जी है जिसे सबसे ज्यादा खाया जाता है। यह पूरे साल मिलने वाली सब्जी है। अच्छी बात यह है कि इसे कई तरह से बनाया जाता है और यह स्वादिष्ट और पौष्टिक होती है। आलू में कई पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो सेहत के लिए जरूरी हैं। आलू खाने से एनर्जी मिलती है, पाचन बेहतर रहता है, बीपी कंट्रोल रहता है।

अंकुरित या हरा आलू में भर जाते हैं विषाक्त
शिखा के अनुसार, आलू में ग्लाइकोएल्कालोइड्स तत्व होते हैं। यह प्राकृतिक तत्व पौधों की कीटों से रक्षा के लिए होते हैं, लेकिन आलू के अंकुरित या हरे होने पर इनमें इनकी मात्रा बढ़ जाती है। जब आलू में ग्लाइकोएल्कालोइड्स की मात्रा 20 मिलीग्राम प्रति 100 ग्राम आलू से अधिक हो जाती है, तो यह विषाक्त हो सकता है।

अंकुरित या हरा आलू खाने के नुकसान
यदि इन तत्वों की अधिक मात्रा में सेवन किया जाए, तो ये शरीर में मतली, उल्टी, दस्त, पेट में ऐंठन जैसे लक्षण पैदा कर सकते हैं। गंभीर मामलों में ये भ्रम, मतिभ्रम और दुर्लभ मामलों में कोमा या मृत्यु का कारण भी बन सकते हैं। आमतौर पर, लक्षण कुछ घंटों में दिखने लगते हैं।

कितनी मात्रा तक सुरक्षित है?
आलू में सोलानिन की मात्रा उसे रखने के तरीके निर्भर करती है। यदि आलू ज्यादा अंकुरित, मुलायम, या हरा हो गया है, तो इसे फेंक देना बेहतर है। हालांकि, हल्के अंकुरित आलू को अच्छे से साफ करके और अंकुरों को हटा कर इस्तेमाल किया जा सकता है।

अंकुरित या हरे आलू को खाने का सही तरीका
आलू को पकाने से पहले अंकुरित हिस्से को अच्छी तरह काट दें क्योंकि इनमें सबसे ज्यादा विषाक्त तत्व होते हैं। आलू की बाहरी परत को छीलें क्योंकि विषाक्त तत्व अधिकतर सतह पर होते हैं। पकाने से कुछ मात्रा में विषाक्त तत्व कम हो सकते हैं, लेकिन पूरी तरह सुरक्षित नहीं होते। ताजे, सख्त आलू जिनमें छोटे अंकुर हों लेकिन हरे न हो इनका उपयोग सुरक्षित हो सकता है।

आलू को स्टोर करने का तरीकों?
आलू को ठंडी, अंधेरी और हवादार जगह में रखें। धूप से बचाएं, क्योंकि इससे अंकुरण बढ़ता है। आलू को खरीदने के कुछ हफ्तों में उपयोग कर लें, ताकि अंकुरण का खतरा कम हो। आलू का उपयोग करने से पहले हरे रंग या ज्यादा अंकुरित होने के संकेतों के लिए जाँच करें और अगर कोई संदेह हो तो उसे फेंक दें।

एक बार से ज्यादा भी हो सकता है चिकनपॉक्स

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

चिकनपॉक्स एक संक्रामक बीमारी है जो वैरीसेला जोस्टर वायरस के कारण होती है। इसके अलावा अपशिष्ट पदार्थों में मौजूद संक्रमित पदार्थों को सांस के माध्यम से अंदर लेने पर भी यह समस्या होती है। इसके आम लक्षणों में तरल पदार्थ से भरे छालों के साथ खुजलीदार लाल चकत्ते शामिल हैं। इसके अलावा कुछ लोगों को बुखार, भूख न लगना और सिर दर्द भी हो सकता है।

किस उम्र में कब लगवाना चाहिए टीका?
यह बीमारी उन लोगों में बहुत ही आसानी से फैलती है जिन्हें यह पहले नहीं हुई है या जिन्होंने इसका टीका नहीं लगवाया है। चिकन पॉक्स एक वैश्विक बीमारी हुआ करती थी लेकिन आज इसका टीका लोगों को इससे बचने में मदद करता है। चिकनपॉक्स को वैरीसेला यानी छोटी माता भी कहा जाता है।

क्या है चिकनपॉक्स (वैरीसेला)?
वैरीसेला जोस्टर एक वायरस है जिसकी वजह से चिकनपॉक्स होता है। एक बार चिकनपॉक्स होने पर यह वायरस शरीर में ही रहता है। हालांकि यह एक्टिव नहीं रहता है लेकिन दाद के रूप में यह दोबारा सक्रिय हो सकता है। ऐसे में इसके उभरने की संभावना रहती है। दाद के जोखिम को कम करने के लिए डॉक्टर 50 वर्ष की आयु के बाद दाद का टीका लगवाने की सलाह देते हैं।

चिकनपॉक्स के लक्षण
चिकनपॉक्स के कारण निकलने वाले दाने वैरीसेला जोस्टर नामक वायरस के संपर्क में आने के 10 से 20 दिन के अंदर निकलते हैं। यह दाने 5 से 10 दिनों तक रहते हैं। दानों के अलावा कुछ और भी लक्षण दिखाई देते हैं जैसे–बुखार, भूख में कमी, सिर दर्द, थकान और पेट दर्द।

चिकनपॉक्स के 3 स्टेज
चिकनपॉक्स की कुल 3 स्टेज होते हैं जिसमे स्टेज 1 में लाल उभरे हुए दाने होते हैं जो कुछ दिनों तक रहते हैं।
दूसरे चरण में तरल पदार्थ से भरे फफोले होते हैं जो एक या दो दिन में फूट जाते हैं।
तीसरे चरण में छाले के ऊपर पपड़ी बन जाती है। यह भी कुछ समय के लिए ही रहते हैं।

चिकनपॉक्स वैक्सीन की उम्र
चिकनपॉक्स वैक्सीन डॉक्टर की सलाह अनुसार लगवानी चाहिए। बच्चों और शिशुओं को पहली वैक्सीन 12 से 15 महीने के बीच दी जाती है। वहीं दूसरी वैक्सीन 4 से 6 वर्ष के बीच लगती है। 6 वर्ष से अधिक उम्र के जिन बच्चों को वैक्सीन नहीं लगी है उन्हें 3 महीने के अंतराल पर दो वैक्सीन लगनी चाहिए। 13 वर्ष या उससे अधिक उम्र के लोगों को चिकनपॉक्स के दो टीके लगते हैं जिनके बीच एक से दो महीने का अंतराल होना चाहिए।

चिकनपॉक्स वैक्सीन के साइड इफेक्ट्स
वैरीसेला वैक्सीन के कुछ साइड इफेक्ट्स भी होते हैं जैसे बुखार, जोड़ों में दर्द या अकड़न, सिर दर्द भूख कम लगना, जी मिचलाना, उल्टी, इंजेक्शन वाली जगह पर दर्द और सूजन या लालिमा।

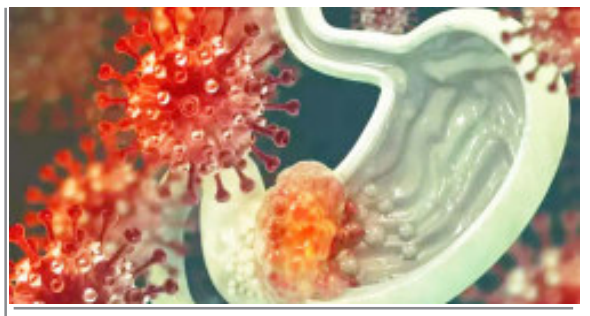

लगातार होता है पेट दर्द तो हो सकते हैं डाइजेस्टिव डिसऑर्डर के शिकार

जब आप खाना खाते हैं तो आपका पाचन तंत्र उसे टुकड़ों में तोड़ कर एनर्जी के रूप में प्रयोग करता है जिससे आपका खाना पच जाता है। इसी प्रक्रिया को पाचन कहा जाता है। लेकिन जब आप अच्छे से खाना नहीं खाते हैं या आपका पाचन तंत्र अच्छे से काम नहीं कर पाता है तो आप को डाइजेस्टिव डिसऑर्डर हो सकते हैं। यह डिसऑर्डर कई तरह के हो सकते हैं और इनके लक्षणों के द्वारा आप इन्हें पकड़ सकते हैं। अगर आपका खाना अच्छे से पच नहीं रहा है तो आपको अपने आप ही पता चल जाता है लेकिन अगर आप को कोई डिसऑर्डर है तो भी आप उसे कुछ एक लक्षण देख कर पता कर सकते हैं जैसे पेट साफ अच्छे से न होना और हमेशा पेट खराब होना और स्टूल में खून दिखना आदि। सबसे आम डाइजेस्टिव डिसऑर्डर के लक्षण लगभग समान ही होते हैं। आपका पेट खराब रहेगा और अक्सर पेट में दर्द भी रहेगा। आपको कब्ज या डायरिया भी देखने को मिल सकता है। इसके अलावा भी कई लक्षण जैसे गैस होना, अपाचन महसूस होना, पेट फूलना, स्टूल में सफेद रंग का म्यूकस दिखना, बाउल मूवमेंट का अच्छे से न हो पाना भी इनके लक्षण होते हैं। अगर आपके लक्षण कम होने की बजाए लगातार बढ़ते जाते हैं और आपको बहुत ज्यादा पेट में दर्द देखने को मिलता है तो आपको इस स्थिति में डॉक्टर के पास जाना चाहिए।

खाना निगलने में होती है कठिनाई तो हो सकते हैं डिस्फेगिया के शिकार

डिस्फेगिया एक मेडिकल स्थिति है जिसमें आपको कुछ भी निगलने में दिक्कत होती है। यह स्थिति किसी भी मेडिकल स्थिति के कारण हो सकती है। इसमें नर्वस सिस्टम और दिमाग से जुड़े डिसऑर्डर शामिल हो सकते हैं। इसका इलाज भी संभव है। जब आप किसी चीज को निगलते हैं तो आपके शरीर की कई मसल्स को फूड को एक से दूसरी जगह तक पहुंचाने के लिए साथ में काम करना पड़ता है। जब इन भागों में अगर कहीं दिक्कत हो जाती है तो निगलने की क्रिया आपके लिए कठिन बन सकती है। जब आप खाना, पानी निगलते हैं तो इस समय यह चीजें गले में अटक सकती हैं। कई बार जब आप जल्दी जल्दी में खाते हैं तो आप के साथ ऐसा हो सकता है और आपका खाना दूसरी पाइप में चला जाता है। ऐसा हर व्यक्ति ने किसी न किसी समय जरूर महसूस किया होता है। यह स्थिति घबराने वाली या ज्यादा गंभीर नहीं होती है। इसके अलग अलग प्रकार हो सकते हैं। आइए जानते हैं इस स्थिति के बारे में। ओरल डिस्फेगिया इसमें समस्या आपके मुंह में ही होती है। आपके खाने को छोटे टुकड़ों में तोड़ने का काम आपके दांत, जीभ और जबड़ा करते हैं। आरोफ्रिनेगल डिस्फेगिया इसमें समस्या आपके गले में होती है।

कई साल से परेशान कर रहा है जोड़ों का दर्द तो चालू करें आयुर्वेदिक दवा

भीगे बादाम खाने से दिमाग तेज होता है। यह शरीर को ताकतवर बनाता है। लेकिन ऐसी कई सारी घरेलू चीजें हैं, जिन्हें भिगोकर खाना चाहिए। ऐसी ही 4 चीजों को भिगोकर सेवन करने के बाद आप एड़ी से चोटी तक किसी भी प्रकार का जोड़ों का दर्द दूर कर सकते हैं। जोड़ों का दर्द एक आम समस्या है जो उम्र बढ़ने के साथ होती है। कई बार चोट या अर्थराइटिस जैसी बीमारी के कारण कम उम्र में भी इस समस्या का सामना करना पड़ सकता है। गठिया और अर्थराइटिस काफी दर्दनाक साबित हो सकती है। मगर इसके लिए आयुर्वेदिक डॉक्टर रोबिन शर्मा ने कमाल की आयुर्वेदिक दवा बताई है। डॉ. रोबिन शर्मा ने कहा कि एड़ी से चोटी तक किसी भी तरह का जोड़ों का दर्द दूर करने के लिए आयुर्वेदिक नुस्खा अपना सकते हैं। इस समस्या को दूर करने के लिए एक मॉर्निंग ड्रिंक बेस्ट है। उनके मुताबिक अगर 30 दिन तक यह ड्रिंक पी लेंगे तो दर्द से राहत मिल जाएगी। मेथीदाना आपके दर्द को कम करने में मदद कर सकता है। इसके अंदर एंटीइंफ्लामेटरी और एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं। जो दर्द की जड़ को ठीक करने में मदद करते हैं। इसके साथ यह मसल्स और जोड़ों को मजबूत बनाने का काम भी करते हैं। अजवाइन सूजन कम करके दर्द में राहत देती है। जीरा इंफ्लामेशन और दर्द कम करने में मदद करता है। सौंफ जकड़न, अकड़न और दर्द को कम कर सकती है।

क्या मिलेगा मौका

भारतीय टीम का मिडिल ऑर्डर न्यूजीलैंड के खिलाफ हाल ही में संपन्न सीरीज में चरमरा गया था। ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए ध्रुव जुरैल को भारतीय स्क्वाड में शामिल किया गया है। देखना दिलचस्प होगा कि इस साहसिक पारी के दम पर जुरैल को 22 नवंबर से शुरू होने वाले पहले टेस्ट में मौका मिलेगा? वैसे, जुरैल की पारी से सरफराज खान की चिंता बढ़ गई है क्योंकि अगर 23 साल के जुरैल को पहले टेस्ट में मौका मिला तो फिर मुंबई के बैटर को बाहर बैठना पड़ेगा।

ध्रुव जुरैल ने योद्धा की तरह खेली पारी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। भारतीय टीम को बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी से पहले ध्रुव जुरैल ने राहत की सांस पहुंचाई है। जुरैल ने गुरुवार को ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ मेलबर्न में जारी दूसरे अनाधिकृत टेस्ट में 80 रन की साहसिक पारी खेली। भारत ए के लिए छठे नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे जुरैल ने 186 गेंदों में छह चौके और दो छक्के की मदद से 80 रन बनाए। जुरैल ने इस पारी के साथ ही सरफराज खान की चिंता बढ़ा दी है, जो न्यूजीलैंड के खिलाफ मिडिल ऑर्डर में प्रभावित नहीं कर पाए थे। जुरैल ने ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ उस समय यह पारी खेली, जब टीम की हालत खराब थी। 11 रन पर चार विकेट गंवाने के बाद भारतीय पारी को देवदत्त पडिक्कल (26) और ध्रुव जुरैल (80) ने संभाला। दोनों ने पांचवें विकेट के लिए 53 रन की साझेदारी की। ध्रुव जुरैल ने ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों का डटकर मुकाबला किया और एक छोर से रन गति को भी बरकरार रखा। उन्होंने नितीश कुमार रेड्डी (16) के साथ मिलकर टीम को 100 रन के पार लगाया। इसके बाद ध्रुव जुरैल ने पुछल्ले बल्लेबाजों के साथ किला लड़ाना जारी रखा। मैकस्वीनी ने डेविस के हाथों कैच आउट कराकर जुरैल की पारी का अंत किया।

केएल राहुल पहली पारी में बल्ले से हुए फ्लॉप

क्रिकेट

ऑस्ट्रेलिया–ए के खिलाफ इंडिया–ए की टीम 161 रन पर ढेर

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। इंडिया–ए और ऑस्ट्रेलिया ए के बीच दूसरा अनऑफिशियल टेस्ट आज से मेलबर्न में शुरू हुआ। यह मैच 10 नवंबर तक चलेगा। इस मैच के पहले दिन पहले बैटिंग करते हुए इंडिया–ए की टीम का बैटिंग ऑर्डर बुरी तरह ध्वस्त हुआ। पहली पारी में इंडिया–ए की टीम 161 रन पर ऑलआउट हो गई। मैच में केएल राहुल, अभिमन्यु ईश्वरन, साई सुदर्शन, ऋतुराज गायकवाड़ किसी का बल्ला नहीं चला। मैच में ध्रुव जुरेल ने टीम की तरफ से अकेले योद्धा की तरफ 80 रन की पारी खेली और स्कोर को यहां तक पहुंचाया।

मैच में केएल राहुल से हर किसी को उम्मीदें थी कि वह ओपनिंग में कुछ कमाल करेंगे, लेकिन वह फिसड्डी साबित हुए। केएल राहुल को

बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी के लिए रोहित शर्मा का रिप्लेसमेंट समझा जा रहा, लेकिन उनकी फॉर्म देखकर अब उनके पहले मैच में जगह मिलना मुश्किल लग रहा है। सोशल मीडिया पर केएल राहुल पर फैंस जमकर भड़ास निकाल रहे हैं।

दरअसल, भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा का आगामी बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी के पहले मैच में खेलने पर संदेह है। रोहित अगर खेलने के लिए उपलब्ध नहीं होते तो टीम इंडिया की नजरें केएल राहुल जैसे एक अनुभवी सलामी बल्लेबाज पर है, जो ऑस्ट्रेलिया की मुश्किल परिस्थितियों में टीम को एक ठोस शुरुआत दिला सकते हैं। इस वजह से केएल राहुल को बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी से पहले ऑस्ट्रेलिया के दौरे पर भेजा गया। हालांकि, इंडिया–ए की तरफ से केएल राहुल पहली पारी में 4 रन बनाकर स्कॉट बोलैंड का शिकार बने। उनके अलावा अभिमन्यु ईश्वरन जिनका भी चयन बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय स्क्वाड में हुआ है। वह भी ऑस्ट्रेलिया–ए के खिलाफ पहले टेस्ट में फ्लॉप रहे। वह खाता तक नहीं खोल सके।

केएल और अभिमन्यु दोनों को बीजीटी में पहले टेस्ट के लिए रोहित के रिप्लेसमेंट के रूप में देखा जा रहा है। अब केएल राहुल और अभिमन्यु के फ्लॉप प्रदर्शन के बाद फैंस सोशल मीडिया पर उन्हें जमकर ट्रोल कर रहे हैं।

पंत अपने बचपन के कोच को पुण्यतिथि पर याद करके हुए भावुक

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। भारतीय टीम के स्टार विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने अपने सोशल मीडिया हैंडल के जरिये बचपन के कोच तारक सिन्हा को पुण्य तिथि पर याद किया। पंत ने अपनी इंस्टा स्टोरी पर सिन्हा को लेकर बेहद भावुक पोस्ट शेयर किया।

तारक सिन्हा का तीन साल पहले देहांत हुआ था। उनकी पुण्य तिथि पर पंत ने श्रद्धांजलि दी और कहा कि सिन्हा की विरासत लगातार प्रेरित करेगी व कई क्रिकेटर्स का मार्गदर्शन करेगी। सिन्हा दिल्ली में सोनेट क्रिकेट क्लब का संचालन करते थे और 6 नवंबर 2021 को फेफड़े में कैंसर के कारण उनका देहांत हुआ था।

बता दें कि तारक सिन्हा ने शिखर धवन और ऋषभ पंत जैसे कई स्टार भारतीय खिलाड़ियों को कोचिंग दी,

■तारक सिन्हा ने शिखर धवन और पंत सहित कई स्टार भारतीय क्रिकेटर्स को कोचिंग दी

जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर काफी सफलता हासिल की। पंत ने अपनी इंस्टा स्टोरी पर एक इमोशनल मैसेज पोस्ट किया, जिसमें तारक सिन्हा का मैदान पर खड़े हुए फोटो नजर आ रहा है।

इसके साथ कैप्शन में पंत ने लिखा, हमारे सर तारक सिन्हा को हमारा साथ छोड़े तीन साल हो चुके हैं। अब भी उनकी मौजूदगी मजबूती से महसूस होती है। उनके बिना समय बहुत लंबा चला है, उनकी बुद्धिमत्ता, मार्गदर्शन और हमारे जीवन में उनके द्वारा लाई गई गर्मजोशी की यादों से भरा हुआ है। उनकी विरासत हमें प्रेरित और मार्गदर्शन करती रहती है। धन्यवाद सर।

पंत इस समय बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी की तैयारियों में जुटे हुए हैं। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 22 नवंबर से पहले टेस्ट की शुरुआत होगी। पंत ने ताजा आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में जबरदस्त फायदा उठाया है। उन्होंने कीवी टीम के खिलाफ तीन मैचों में 43.50 की औसत से 261 रन बनाए। इस दौरान पंत ने तीन अर्धशतक जमाए।

इस शानदार प्रदर्शन की बदौलत ऋषभ पंत ने पांच स्थान की छलांग लगाई और छठे स्थान पर पहुंच गए। याद दिला दें कि पंत ने बेंगलुरु में 99 रन की पारी खेली और फिर इसके बाद मुंबई में दोनों पारियों में क्रमशः 60 और 64 रन बनाए। पंत की कोशिश अब ऑस्ट्रेलिया में दमदार प्रदर्शन करके टीम को जीत दिलाने की होगी।

भारतीय महिला हॉकी टीम ने की ग्लास ब्रिज का दीदार

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

राजगीर। एशियन महिला हॉकी चैम्पियंस ट्रॉफी में भाग लेने के लिए टीम इंडिया राजगीर पहुंच चुकी है। टीम की खिलाड़ी नवनिर्मित स्टेडियम में अभ्यास के लिए पसीना बहा रही हैं। इससे फुर्सत के दो क्षण निकाल खिलाड़ियों ने देश के इकलौते ग्लास ब्रिज का दीदार किया। खिलाड़ियों ने इसका जमकर लुत्फ उठाया। ग्लास ब्रिज पर ही ट्रॉफी के साथ तस्वीर खिंचवाकर इसे जीतने का संकल्प दोहराया।

टीम इंडिया के खिलाड़ियों ने राजगीर के प्राकृतिक सौंदर्य का जमकर गुणगान किया। टीम की सभी खिलाड़ी ग्लास ब्रिज पर पहुंचकर काफी उत्साहित दिखीं। कर्मियों से यहां के बारे में जानकारी भी ली। खिलाड़ियों ने बिहार सरकार द्वारा निर्मित ग्लास ब्रिज की सराहना करते हुए कहा कि इससे बिहार में पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा।

न्यूज डायरी

श्रेयस अय्यर ने ठोका विध्वंसक दोहरा शतक, अब पछता रहा होगा केकेआर!

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) मुंबई। मेरा कमजोर वक्त देखकर मुझपर प्रहार करने का दुस्साहस न कर, मैंने हर वो जंग जीती है, जिसमें मैं घायल था... शायद श्रेयस अय्यर अपने मन में यही सोच रहे होंगे। वनडे विश्व कप 2023 में एक से बढ़कर एक बेहतरीन पारियां खेलने के बावजूद उन्हें भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट से बाहर किया, टेस्ट टीम से निकाला तो कोलकाता नाइटराइडर्स को चौंपियन बनाने का श्रेय उन्हें नहीं मिला। अब कुछ दिन पहले ही उन्हें बॉलीवुड के बादशाह शाहरुख खान और जूही चावला के मालिकाना हक वाली कोलकाता नाइटराइडर्स टीम ने आईपीएल 2025 मेगा ऑक्शन से ठीक पहले रिलीज कर दिया। ऐसा पहली बार देखने को मिला है कि किसी आईपीएल फ्रेंचाइजी ने चौंपियन कप्तान को अगले ही सीजन में रिलीज कर दिया। खैर, अय्यर ने इसका गम नहीं मनाया और रणजी ट्रॉफी में उन्होंने अपने बल्ले से जवाब देने का फैसला किया। उन्होंने ओडिशा के खिलाफ शानदार अंदाज में दोहरा शतक जड़ दिया। उन्होंने अपनी पारी में 228 गेंदों का सामना किया, जबकि 24 चौके और 9 छक्के उड़ाए। उनकी पारी के दम पर ही मुंबई टीम 550 से अधिक रनों का स्कोर खड़ा कर चुकी है। श्रेयस अय्यर का यह लगातार दूसरे मैच में शतक है। इससे पहले रणजी ट्रॉफी के एक मुकाबले में उन्होंने महाराष्ट्र के खिलाफ 142 रनों की धमाकेदार पारी खेली थी।

देश पहले आता है... चेन्नई सुपर किंग्स को खूब सुनाया

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। भारतीय टीम को न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में मुंह को खानी पड़ी। मेहमान टीम ने रोहित शर्मा की कप्तानी वाली टेस्ट टीम को 3–0 से हराया और पहली बार ऐसा हुआ कि भारतीय टीम अपने घर में किसी टेस्ट सीरीज में वाइटवॉश के लिए मजबूर हुई। यह बात न केवल कप्तान रोहित शर्मा को अखरती दिखी, बल्कि इससे पूर्व क्रिकेटरों का एक बड़ा धड़ा गुस्से में आ गया। महान सुनील गावस्कर, अनिल कुंबले, हरभजन सिंह, रवि शास्त्री सहित तमाम दिग्गजों ने अपना गुस्सा जाहिर किया तो रॉबिन उथप्पा ने अब टीम इंडिया के इतर चेन्नई सुपर किंग्स को खूब सुनाया। चेन्नई सुपर किंग्स में एमएस धोनी की कप्तानी में खेल चुके रॉबिन उथप्पा ने अपनी फ्रेंचाइजी को याद दिलाया कि आप कितने भी बड़े दिलवाले क्यों न हों, लेकिन जब बात देश की आती है तो देश पहली प्रायोरिटी पर होगा। दरअसल, चेन्नई सुपर किंग्स ने अपने पुराने खिलाड़ी रचिन रविंद्र को चेन्नई की अकैडमी में ट्रेनिंग करने की छूट दी। न्यूजीलैंड को अफगानिस्तान के खिलाफ इकलौता टेस्ट ग्रेटर नोएडा में खेलना था उससे पहले रचिन रविंद्र ने चेन्नई में खूब पसीने बहाए। अफगानिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच टेस्ट तो बारिश की वजह से नहीं हो सका, लेकिन रचिन रविंद्र ने चेन्नई में सीखकर टीम इंडिया को खूब नुकसान पहुंचाया। 24 साल के भारतीय मूल के इस खिलाड़ी न बेंगलुरु टेस्ट में 157 गेंदों में 134 रनों की पारी खेली, जबकि दूसरी पारी में नाबाद 39 रन बनाए।

केकेआर ने बेंच पर रखा, अब ऑक्शन में लगेगी करोड़ों की बोली

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। अफगानिस्तान के स्पिन गेंदबाजों की खान कहा जाता है। एक के बाद एक अफगानिस्तान से स्पिनर्स आते ही रहते हैं। राशिद खान ने पूरी दुनिया में अपना परचम लहराया। फिर मुजीब उर रहमान और नूर अहमद ने भी अपनी स्पिन गेंदबाजी से बल्लेबाजों को नचाया। अब अफगानिस्तान का एक नया स्पिनर तहलका मचा रहा है। इस स्पिनर का नाम अल्लाह गजनफर है और उम्र सिर्फ 18 साल ही। अल्लाह गजनफर ने बांग्लादेश के खिलाफ वनडे सीरीज के पहले मैच में कमाल की बॉलिंग की। शारजाह में खेले गए मुकाबले में उन्होंने 6.3 ओवर की गेंदबाजी की। इसमें 26 रन देकर 6 विकेट लिए। वह मुख्य रूप से ऑफ स्पिन गेंदबाजी करते हैं। यह अल्लाह गजनफर के वनडे करियर का सिर्फ छठा ही मुकाबला था। 19 साल से कम उम्र में बेस्ट स्पेल डालने के वर्ल्ड रिकॉर्ड की भी उन्होंने बराबरी कर ली है। वकार यूनिस ने भी 18 साल की उम्र में वनडे में 26 रन देकर 6 विकेट लिए थे। आईपीएल 2024 में अल्लाह गजनफर कोलकाता नाइट राइडर्स का हिस्सा थे। उन्हें नीलामी में किसी फ्रेंचाइजी ने नहीं खरीदा था।

लंदन में शुरू हुए विश्व पर्यटन बाजार में उत्तराखंड का नेतृत्व करते हुए सतपाल महाराज।

पेज थ्री देहरादून

हमारा दून

देहरादून, शुक्रवार, 8 नवंबर 2024

संक्षिप्त समाचार

लंदन डब्ल्यूटीएम में दिखी उत्तराखंड के पर्यटन, लोक संस्कृति की झलक

संवाददाता देहरादून। लंदन में शुरू हुए तीन दिवसीय विश्व पर्यटन बाजार (डब्ल्यूटीएम) में उत्तराखंड का नेतृत्व पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने किया। कहा कि लंदन में आयोजित डब्ल्यूटीएम में भारत मंडपम में बने अतुल्य भारत स्टॉल के जरिए पूरी दुनिया उत्तराखंड के पर्यटन, लोक संस्कृति की झलक देख रही है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्तराखंड के पर्यटन स्थलों, लोक संस्कृति का प्रचार प्रसार हो रहा है। पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने लंदन में भारत के उच्चायुक्त विक्रम कुमार दोराईस्वामी और केंद्रीय पर्यटन पर्यटन मंत्रालय की महानिदेशक मुग्धा सिन्हा की उपस्थिति में भारत मंडपम में बने अतुल्य भारत स्टॉल का शुभारंभ किया।

ओल्ड पेंशन स्कीम को लेकर भ्रमित ना हों कर्मचारी

संवाददाता देहरादून। नॉर्दर्न रेलवे मेंस यूनियन (नरमू) की ओर से देहरादून रेलवे स्टेशन पर यूनियन के शाखा कार्यालय में आयोजित जन संवाद कार्यक्रम में यूनियन के राष्ट्रीय महामंत्री शिव गोपाल मिश्रा ने कहा कि ओल्ड पेंशन स्कीम (ओपीएस) को लेकर कर्मचारियों को भ्रमित होने की जरूरत नहीं है। संगठन कर्मचारियों के हित को देखते हुए इस स्कीम में सरकार से आवश्यक संशोधन करवाएगा। उन्होंने कहा कि हमारा संगठन जो कहता है, वह करके भी दिखाता है। गुरवार को शताब्दी एक्सप्रेस पहुंचे राष्ट्रीय महामंत्री का रेल कर्मचारियों ने रेलवे स्टेशन पर फूल मालाओं का स्वागत किया।

जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने किया हेक्टर लाइनअप का विस्तार

संवाददाता देहरादून। जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने भारत की पहली इंटरनेट एसयूवी, एमजी हेक्टर लाइनअप का विस्तार करने की घोषणा की है। इस नई हेक्टर को दो नए 7–सीटर वेरिएंट, हेक्टर प्लस 7–सीटर सेलेक्ट प्रो और स्मार्ट प्रो के साथ पेश किया गया हैं। यह नई हेक्टर उन ग्राहकों को एक स्पेशियस और वर्सेटाइल कार का विकल्प प्रदान करती है, जो एक प्रीमियम एसयूवी का अनुभव चाहते हैं।

स्विगी लिमिटेड का आईपीओ खुला

संवाददाता देहरादून। स्विगी लिमिटेड (कंपनी), भारत का अग्रणी ऑन–डिमांड सुविधा प्लैटफॉर्म ने, अपना आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (ऑफर) खोला। बोली ऑफर बंद होने की तिथि शुक्रवार, 08 नवंबर, 2024 होगी। ऑफर का प्राइस बैंड 371 प्रति इक्विटी शेयर से लेकर 390 रुपये प्रति इक्विटी शेयर तय किया गया है। न्यूनतम 38 इक्विटी शेयरों और उसके बाद 38 इक्विटी शेयरों के गुणकों में बोलियाँ लगाई जा सकती हैं।

राज्य में उड़ान योजना के तहत बन रहे हैं 18 हेलीपोर्ट्सः सीएम

उद्घाटन

- मुख्यमंत्री धामी ने उत्तराखंड हवाई कनेक्टिविटी स्कीम के अंतर्गत हवाई सेवाओं का किया उद्घाटन
- गौचर–देहरादून के लिए हेली सेवा शुरू, सीमांत जनपदवासियों ने मुख्यमंत्री का जताया आभार

संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड में हवाई कनेक्टिविटी को मजबूत करने के उदेश्य से 13 नवंबर से गौचर से सहस्त्रधारा और जोशियाड़ा से सहस्त्रधारा के लिए हेली सेवा और दिल्ली से पिथौरागढ़ विमान सेवा शुरू कर दी गई है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरुवार को इन हवाई सेवाओं का उद्घाटन किया। हवाई सेवा प्रारंभ होने पर मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दी है। उद्घाटन के अवसर पर पवन हंस का हेलीकॉप्टर सहस्त्रधारा हेलीपैड से 04 यात्रियों को लेकर गौचर पहुंचा। इस दौरान मुख्यमंत्री ने गौचर हवाई पट्टी पर आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित यूकाडा के यात्री टर्मिनल भवन का लोकार्पण भी किया।

मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि सीमांत क्षेत्रों के लिए हेली सेवा मील का पत्थर साबित होगी। अभी गौचर और जोशियाड़ा को हेली सेवा से जोड़ा जा रहा है, आने वाले समय में लेंसडान समेत राज्य के अनेक महत्वपूर्ण स्थलों को भी हेली सेवा से जोड़ा जाएगा। इन हेली सेवाओं के प्रारंभ होने से घंटों का सफर मिनटों में तय होगा। हेली सेवा शुरू होने से पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। चारधाम यात्रा पर आने वाले लोगों को भी आसानी होगी। स्थानीय व्यवसाय, होमस्टेट और युवाओं के लिए रोजगार के लिए नए अवसर सृजित होंगे और दूरस्थ क्षेत्र के लोगों को विकास की मुख्य धारा से जोड़ने में सहायता मिलेगी। इसके अलावा आपातकालीन स्थिति में राहत एवं बचाव कार्यों के प्रभावी क्रियान्वयन में भी मदद मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार घरेलू उड़ानों को बढ़ावा देने का काम कर रही है। वाराणसी, कुल्लू, अयोध्या, पंतनगर आदि क्षेत्र के लिए हवाई सेवाएं संचालित की गई है। मुख्यमंत्री ने मा0 प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि विकल्प रहित संकल्प के मूल मंत्र के साथ हमारी सरकार उत्तराखंड को एक समृद्ध राज्य बनाने की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रही है। सीमांत क्षेत्रों के लिए हेली सेवा प्रारंभ होने पर उन्होंने प्रदेशवासियों को बधाई भी दी।

कर्णप्रयाग विधायक अनिल नौटियाल समेत क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों एवं स्थानीय लोगों ने गौचर हेली सेवा प्रारंभ करने के लिए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया। जिलाधिकारी संदीप तिवारी ने कहा कि सीमांत जनपद के लिए हेली सेवा एक वरदान साबित होगी। आगामी 13 नवंबर से हेली सेवा नियमित रूप से संचालित होगी। इसके लिए समय और न्यूनतम किराया निर्धारित किया गया है। निश्चित रूप से हेली सेवा सभी के लिए लाभकारी सिद्ध होगी।

हेली सेवाओं की सभी तैयारी पूरी

उत्तराखंड नागरिक उड्डयन विकास प्राधिकरण ने पवन हंस के साथ हेली सेवाओं की सभी तैयारी पूरी कर ली है। इसके लिए शुरुआती किराया 03 हजार निर्धारित किया गया है। हेली सेवा शुरू होने से स्थानीय लोगों को कम समय में सफर करने की सहुलियत मिलेगी, साथ ही पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। देहरादून सहस्त्रधारा से गौचर के लिए सोमवार से शनिवार तक प्रतिदिन हेली सेवा उपलब्ध रहेगी। पवन हंस का हेली सुबह 9.30 बजे सहस्त्रधारा से 10:20 बजे गौचर पहुंचेगा और सुबह 10:40 बजे गौचर से निकलकर 11:30 बजे सहस्त्रधारा, दून पहुंचेगा। हेली सेवा 13 नवंबर 2024 रोजाना उपलब्ध रहेगी।

आरोपियों पर कठोर कानूनी कार्यवाही करने के निर्देश

निर्देश

- सीएस को वरिष्ठ आईएएस अधिकारी के साथ हुई घटना से कराया गया अवगत

संवाददाता

देहरादून। मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी से गुरुवार को सचिवालय में उत्तराखंड आईएएस एसोसिएशन के अध्यक्ष आनंद बर्द्धन सहित सभी सदस्यों ने मुलाकात कर 6 नवंबर 2024 को शासन में तैनात वरिष्ठ आईएएस अधिकारी के साथ हुई घटना से अवगत कराया।

मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी ने इस संबंध में सचिव गृह को उक्त घटना के विषय में आरोपियों के विरुद्ध त्वरित एवं कठोर कानूनी कार्यवाही करने के निर्देश जारी किए हैं। इसके साथ ही मुख्य सचिव ने भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं को रोकने हेतु सचिवालय की सुरक्षा व्यवस्था का तत्काल परीक्षण कर प्रभावी कार्यवाही के निर्देश दिए हैं।

मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी ने सचिव, सचिवालय प्रशासन विभाग को भी उक्त घटना के विषय में पुलिस विभाग को तहरीर देने तथा भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं को रोकने हेतु सचिवालय की सुरक्षा एवं पास जारी करने की व्यवस्था का तत्काल परीक्षण करते हुए प्रभावी कार्यवाही हेतु निर्देश दिए हैं।

गोल्डन कार्ड की विसंगतियों को किया जाए दूर

संवाददाता देहरादून। जल संस्थान पेंशनर वेलफेयर सोसाइटी उत्तराखंड ने गोल्डन कार्ड की विसंगतियों को दूर किए जाने की मांग की। जल भवन नेहरू कालोनी में गुरुवार को हुई बैठक में कैशलेस ओपीडी की व्यवस्था तत्काल लागू करने पर जोर दिया गया। बैठक में अध्यक्ष बिरेंद्र सिंह नेगी ने कहा कि गोल्डन कार्ड को लेकर तमाम असमंजस पेंशनर्स के मन में हैं। तमाम तरह की दिक्कतें पेश आ रही हैं। अस्पतालों में तमाम तरह के शुल्क पेंशनर्स से लिए जा रहे हैं। इन तमाम अव्यवस्थाओं को दूर करते हुए तत्काल विसंगतियों को दूर किया जाए। कैशलेस ओपीडी की व्यवस्था को तत्काल लागू किया जाए। इसके साथ ही तमाम तरह की दूसरी जांचों को भी निशुल्क किया जाए। पेंशनर्स ने सीजीएम नीलिमा गर्ग को भी ज्ञापन सौंप जल्द विसंगतियों को दूर कराने का दबाव बनाया। बैठक में मदन जोशी, चंद्रपाल वर्मा, जगदीश तिवाड़ी, तोताराम जोशी, आरके चावला, अशोक रस्तोगी, सब्बल सिंह पंवार, माया आदि मौजूद रहे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक
प्रदीप चौधरी
द्वारा
एल.के प्रिंटर्स,74/9,आराघर,देहरादून से मुद्रित
व जाखन जोहड़ी रोड, पी.ओ–राजपुर, देहरादून से प्रकाशित।
संपादकः प्रदीप चौधरी

सिटी कार्यालयः
शिवम् मार्केट, द्वितीय तल दर्शनलाल चौक, देहरादून।

(M) 9319700701
pagethreedaily@gmail.com
आर.एन.आई.नं0
UTTHIN\2005\15735
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र देहरादून ही मान्य होगा।